mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-317 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
18 नवंबर 2024 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर
सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

संजू सैमसन ने...

@ पेज 7

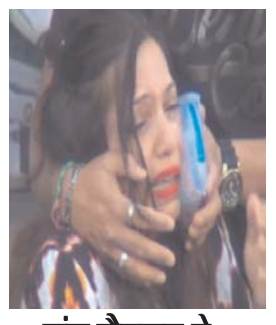

दिल्ली से अमेरिका सिर्फ 30 मिनट में...

- स्टारशिप बदल देगा दुनिया में एयर ट्रैवेल की तस्वीर

एलन मस्क ने किया दुनिया की सबसे तेज हवाई यात्रा का दावा

- स्पेसएक्स के स्टारशिप ट्रैवल के जरिए लोग करेंगे हवाई यात्रा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अरबपति स्पेसएक्स सीईओ और अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में अहम भूमिका निभाने जा रहे एलन मस्क ने स्पेस ट्रैवल को लेकर बड़ी घोषणा की है। मस्क ने घोषणा की है कि स्पेसएक्स की महत्वाकांक्षी अर्थ-टू-अर्थ अंतरिक्ष यात्रा परियोजना जल्द ही वास्तविकता का रूप लेगी। अमेरिकी उद्योगपति ने कहा कि उनकी कंपनी स्पेसएक्स के स्टारशिप रॉकेट के जरिए एक घंटे से भी कम समय में धरती के प्रमुख शहरों के बीच यात्रियों को ले जाना संभव होगा। स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट पहली बार 10 साल पहले प्रस्तावित किया गया था और इसे दुनिया का सबसे शक्तिशाली रॉकेट कहा जाता है। मस्क ने ये दावा 6 नवम्बर को एक एक्स यूजर के पोस्ट किए गए

वीडियो का जवाब देते हुए किया था। एक्स यूजर ने सुझाव दिया कि स्पेसएक्स को ट्रंप प्रशासन के दौरान कुछ वर्षों के भीतर स्टारशिप को अर्थ-टू-अर्थ उड़ाने के लिए संघीय विमानन प्रशासन से मंजूरी मिल सकती है। वीडियो में कहा गया कि अधिकांश लंबी दूरी की यात्राएं 30 मिनट से भी कम समय में। एक घंटे से भी कम समय में धरती पर कही भीं। इस पर एलन मस्क ने जवाब दिया कि 'अब यह संभव है' स्पेसएक्स ने ऐसी प्रणाली कल्पना की है, जिसमें स्टारशिप कक्षा में लॉन्च होने के बाद अंतरिक्ष में गहरे जाने के बजाय पृथ्वी के समानांतर यात्रा करेगी, जिससे दूर के शहरों के बीच तेज परिवहन संभव होगा। स्टेनलेस स्टील से बना 395 फुट का स्टारशिप 1000 यात्रियो को ले जाने में सक्षम होगा। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, स्पेसएक्स ने दावा किया है कि लॉस एंजेल्स और टोरंटो के बीच यात्रा का 24 मिनट, लंदन और न्यूयॉर्क के बीच 29 मिनट, जबकि दिल्ली और सैन फ्रांसिस्को के बीच 30 मिनट जितना कम हो सकता है। यात्रियों को टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान गुरुत्वाकर्षण बल का अनुभव होगा।

संक्षिप्त समाचार

मिस यूनिवर्स-24 बनीं डेनमार्क की विक्टोरिया

- टॉप-12 से बाहर हुईं भारत की रिया सिंघा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिस यूनिवर्स 2024 के फिनाले पर सबकी नजरें टिकी हुई थी। मैक्सिको के निकारागुआ में इसका आगाज किया गया था। मिस यूनिवर्स 2024 की टॉप-30 लिस्ट में भारत की रिया सिंघा ने जगह बनाई थी लेकिन, वो इस क्राउन को अपने नाम नहीं कर पाई। रिया सिंघा टॉप-12 से ही बाहर हो गई थीं। ऐसे में अब मिस यूनिवर्स 2024 के विनर का नाम भी सामने आ चुका है। इस क्राउन को जीतने वाली कंटेस्टेंट डेनमार्क की विक्टोरिया केजीर बनी हैं।

इजराइली पीएम नेतन्याहू के घर पर फिर हुआ हमला

- आंगन में आग के गोले गिरे, एक महीने के भीतर दूसरी बार निशाना बनाया गया

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सीजेरिया स्थित घर पर फिर से हमला हुआ है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, प्रधानमंत्री के घर की तरफ 2 फ्लेयर्स (आग के गोले) दागे गए, जो घर के आंगन में गिरे। इजराइली पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। हमला कहां से हुआ और किसने किया, फिलहाल इसकी जानकारी नहीं मिली है। इजराइली सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने बयान में कहा कि इस घटना में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

अमेरिका के दरवाजे पर चीन ने कर दिया बड़ा खेल

- पेरू में बनाया महाकाय बंदरगाह, ट्रंप के सामने ड्रैगन की खुली चुनौती

लीमा (एजेंसी)। चीन ने अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से ठीक पहले बड़ा कदम उठाया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका के पड़ोसी लैटिन अमेरिका महाद्वीप में एक बेहद विशालकाय बंदरगाह का उद्घाटन किया है। यह बंदरगाह दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में बनाया गया है जो कभी अमेरिका का करीबी हुआ करता था लेकिन अब उससे मुंह मोड़ रहा है।

जातीय हिंसा में एक बार फिर 'सुलगा' मणिपुर

हालात हुए बेकाबू, सीएम और 10 विधायकों के घर पर हमला

इंफाल/ आइजोल (एजेंसी)। मणिपुर में 3 महिला और 3 बच्चों के शव मिलने के बाद हिंसक प्रदर्शन जारी हैं। इसके मद्देनजर गृह मंत्री अमित शाह

- महाराष्ट्र की रैलियां रद्द कर दिल्ली लौटे शाह, ऐक्शन की तैयारी

नागपुर की चार रैलियां रद्द कर दिल्ली लौट आए हैं। वे राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग करेंगे। वहीं, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल प्रमुख अनीश दयाल को हालात का जायजा लेने के लिए भेजा जा रहा है। इसी बीच राज्य सरकार ने केंद्र से सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम वापस लेने

को कहा है। हिंसा के कारण केंद्र सरकार ने 14 नवंबर को इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, जिरीबाम, कांगपोकपी और बिश्नुपुर जिलों के सेकमाई, लामसांग, लामलाई, जिरीबाम, लीमाखोंग और मोइरांग पुलिस थाना इलाकों में अफ्सपा लगाया था। 16 नवंबर को सीएम एन बीरेन सिंह और 10 विधायकों के घरों को पर हमले हुए। हालात बिगड़ते देख 5 जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है।

बहन प्रियंका के साथ मुंबई के शिवाजी पार्क पहुंचे राहुल गांधी

शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे को किया नमन, दी श्रद्धांजलि

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी रविवार को मुंबई स्थित शिवाजी पार्क पहुंचे और उन्होंने शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे को उनकी पुण्यतिथि पर नमन किया है। राहुल गांधी ने दादर स्थित शिवाजी पार्क पहुंचने

से पहले बाल ठाकरे की 12वीं पुण्यतिथि पर पहले एक्स पर पोस्ट करके याद किया। राहुल गांधी के साथ उनकी बहन प्रियंका गांधी भी वहां पहुंचीं। इस मौके पर बाल ठाकरे के बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी मौजूद रहे। यह पहला मौका है जब राहुल गांधी ने बाल ठाकरे को उनकी पुण्यतिथि पर दादर पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं।

राहुल बोले-शिवसेना परिवार के साथ हूं

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि बालासाहेब ठाकरे जी को उनकी 12वीं पुण्यतिथि पर याद करते हुए। मेरी संवेदनाएं उद्धव ठाकरे जी, आदित्य और पूरे शिवसेना परिवार के साथ हैं। शिवसेना (यूबीटी) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के कई नेता भी बाल ठाकरे को श्रद्धांजलि देने उनके समाधि स्थल पर पहुंचे। शिवसेना के संस्थापक का लंबी बीमारी के बाद 17 नवंबर 2012 को मुंबई स्थित उनके आवास मातोश्री में निधन हो गया था। पवार ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, शिवसेना के संस्थापक, व्यंग्यकार और राजनेता स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे को नमन, जिन्होंने मराठी लोगों के साथ अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी। मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष डॉ. वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे ने मराठी दिलों पर राज किया।

स्वदेशी हाइपरसोनिक मिसाइल की सफल टेस्टिंग

1500 किलोमीटर से ज्यादा रेंज, आवाज से 5 गुना तेज रफ्तार; इसे रोक पाना असंभव

नई दिल्ली/भुवनेश्वर (एजेंसी)। डिफेंस रिसर्च डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (छ्रष्ठह्र) ने शनिवार रात लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल की सफल टेस्टिंग की। इसका वीडियो शेयर करते हुए छ्रष्ठह्र ने बताया कि ओडिशा के तट के पास एपीजे अब्दुल कलाम आजाद द्वीप से मिसाइल को ग्लाइडेड व्हीकल से लॉन्च किया गया। मिसाइल की फ्लाइट ट्रेजेक्टरी की ट्रैकिंग के बाद टेस्टिंग सफल मानी गई है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार सुबह ङ्क्ष पर पोस्ट करते हुए कहा- इस मिसाइल की सफल टेस्टिंग से भारत उन चुनिंदा देशों के ग्रुप में शामिल हो गया, जिसके पास ऐसी सैन्य तकनीक है। यह एक बड़ी उपलब्धि है और यह देश के लिए एक ऐतिहासिक पल है। लंबी दूरी की इस हाइपरसोनिक मिसाइल की रेंज 1500 किलोमीटर से ज्यादा है।

इस मिसाइल से हवा, पानी और जमीन तीनों जगहों से दुश्मन पर हमला किया जा सकता है। लॉन्च के बाद इसकी रफ्तार 6200 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंच सकती है, जो साउंड की स्पीड से 5 गुना ज्यादा है। हाइपरसोनिक मिसाइलों की सबसे खास बात ये है कि तेज स्पीड, लो ट्रैजेक्टरी यानी कम ऊंचाई पर उड़ान की वजह से इन्हें अमेरिका समेत दुनिया के किसी भी रडार से पकड़ पाना लगभग नामुमकिन है। इसी वजह से इन्हें दुनिया का कोई भी मिसाइल डिफेंस सिस्टम मार नहीं सकता है। हाइपरसोनिक मिसाइलें कई टन परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम होती हैं। ये मिसाइलें 480 किलोग्राम के परमाणु हथियार या ट्रेडिशनल हथियार ले जा सकती हैं। परमाणु हथियार रखने वाले देशों के लिए यह मिसाइल अहम मानी जाती है। अंडरग्राउंड हथियार गोदामों को तबाह करने में हाइपरसोनिक मिसाइलें सबसोनिक क्रूज मिसाइलों से ज्यादा घातक होती हैं।

एससी में बुधवार-गुरुवार को रेगुलर मामलों की सुनवाई नहीं

इनकी जगह ट्रांसफर याचिका, बेल केस और दूसरे मामले लिस्ट होंगे, सीजेआई खन्ना ने नियम बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को मामलों की सुनवाई को लेकर नया सर्कुलर जारी किया गया। इसके मुताबिक बुधवार और गुरुवार को रेगुलर सुनवाई वाले मामले लिस्ट नहीं किए जाएंगे। सर्कुलर में कहा गया कि मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को ट्रांसफर याचिकाओं, बेल के मामलों और दूसरे केस को लिस्ट किया जाएगा। रेगुलर सुनवाई वाले मामले लिस्ट नहीं होंगे। वहीं, स्पेशल बेंच या पार्ट हियर्ड मैटर (आंशिक सुनवाई) वाले मामले चाहे वो मिसलेनियस हों या रेगुलर, जिन्हें मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को लिस्ट करने का निर्देश दिया गया है। ऐसे मामलों को लंच के बाद के सेशन या कॉम्पिटेंट अथॉरिटी के निर्देश के मुताबिक लिस्ट किया जाएगा। वर्तमान प्रैक्टिस के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट में नए मामले सोमवार और शुक्रवार को लिस्ट किए जाते हैं।

बीजेपी वोटिंग कम कराने की रच रही है साजिश

- अखिलेश बोले-कुंदरकी में चीन सीमा जैसी तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में उपचुनाव की वोटिंग से पहले अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। रविवार को उन्होंने कुंदरकी में फोर्स के फ्लैग मार्च का वीडियो एक्स पर पोस्ट किया। कहा- बीजेपी वोटिंग को कम करने की साजिश कर रही है। चुनाव आयोग से चेतावनी भरा आग्रह है कि इस साजिश को नाकाम करें। उन्होंने पुलिस और कमांडो के फ्लैग मार्च पर कहा- देखने में ऐसा लग रहा है जैसा चीन सीमा पर युद्ध की तैयारी है।

अब केजरीवाल के 'हनुमान' ने भी छोड़ दिया पार्टी का साथ

एएपी को बड़ा झटका, परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। कैलाश गहलोत ने रविवार सुबह एएपी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर इस्तीफे का ऐलान किया। गहलोत ने केजरीवाल को लिखे लेटर में यमुना की सफाई के मुद्दे को लेकर एएपी की आलोचना की। उन्होंने कहा- आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार से लड़ाई करने में बहुत वक्त बर्बाद किया। पार्टी ने जनता से किए वादे पूरे नहीं किए। दिल्ली की सीएम आतिशी ने गहलोत का इस्तीफा स्वीकार करते हुए कहा- ये भाजपा का गंदा षड्यंत्र है। भाजपा दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव ईडी और सीबीआई के बल पर जीतना चाहती है।

एएपी नेता संजय सिंह ने कहा- दिल्ली चुनाव से पहले मोदी वॉशिंग मशीन सक्रिय हो गई है। अब कई नेता इस मशीन के जरिए भाजपा में शामिल किए जाएंगे। कैलाश गहलोत ने 2015 में पार्टी जॉइन की थी।

पीएम मोदी को मिला नाइजीरिया का सर्वोच्च सम्मान

अबुजा (एजेंसी)। नाइजीरिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर से सम्मानित करने का ऐलान किया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक वे ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ के बाद यह सम्मान पाने वाले दूसरे विदेशी होंगे। एलिजाबेथ को 1969 में यह सम्मान दिया गया था। अब तक पीएम मोदी को 15 देश अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। वहीं, उन्हें मिलने वाला यह 17वां अंतर्राष्ट्रीय अवॉर्ड होगा। इससे पहले 14 नवंबर को कैरेबियाई देश डोमिनिका ने मोदी को सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार- डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर देने की घोषणा की थी। कोविड-19 महामारी के दौरान डोमिनिका की मदद करने के लिए उन्हें सम्मान दिया जाएगा। मोदी को 21-22 नवंबर को गुयाना दौरे पर सम्मानित किया जाएगा। पीएम को राजधानी अबुजा की चाबी सौंपी गई, ये विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार रात पहली बार नाइजीरिया पहुंचे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री का 17 साल में पहला नाइजीरिया दौरा है। मोदी का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर भारतीय लोगों का जमावड़ा लगा था। हाथ में तिरंगा लिए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टिनूबू भी अबुजा एयरपोर्ट पर पीएम मोदी के स्वागत के लिए पहुंचे थे। मंत्री न्येसोम विके ने पीएम मोदी को अबुजा शहर की चाबी सौंपी। नाइजीरिया में इसे विश्वास और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। पीएम मोदी राष्ट्रपति टिनूबू से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

- क्वीन एलिजाबेथ के बाद यह सम्मान पाने वाले पहले शख्स
- पीएम मोदी को अब तक 15 देशों ने दिया सर्वोच्च सम्मान

संक्षिप्त समाचार

छोटे किसानों के लिए केंद्रीय मंत्री शिवराज ने किया ऐलान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक योजना बनाई है। जिसमें प्याज, टमाटर और आलू के दाम गिरते हैं तो किसान को नुकसान होता है, इसलिए आईसीएआर लागत पर 50त्न मुनाफा जोड़कर मॉडल रेट तय करेगा। बाजार रेट और मॉडल रेट का अंतर किसानों को दिया जाएगा, केन्द्र सरकार और राज्य सरकार 50-50 प्रतिशत नुकसान वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि, प्याज के एक्सपोर्ट से प्रतिबंध हटाया गया है, एक्सपोर्ट शुल्क 40त्न से घटाकर 20त्न किया गया है। जिससे प्याज के दामों में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि, पाम ऑयल मलेशिया, इंडोनेशिया से जीरो पर्सेंट ड्यूटी पर आयात किए जाते थे, इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाकर 27.5त्न की गई है ताकि किसान को सोयाबीन के ठीक दाम मिल सके। सोयाबीन की एमएसपी 4 हजार 892 रुपए है, केन्द्र सरकार ने महाराष्ट्र सरकार को अनुमति दी है कि वह एमएसपी पर सोयाबीन खरीदें। इसके साथ ही सोयाबीन में नमी की सीमा को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का फैसला किया गया है। इसके आदेश जारी कर दिए गए हैं ताकि महाराष्ट्र में सोयाबीन खरीदी में कोई दिक्कत न हो। महाराष्ट्र में महायुती की महाविजय होगी। महायुती और केन्द्र सरकार ने मिलकर जो विकास के काम किए हैं, उसने जनता के दिल और दिमाग को पूरी तरह से महायुती के साथ खड़ा कर दिया है। चौहान ने मीडिया से चर्चा में कहा कि, राहुल गांधी को खुद याद नहीं रहता है कि वो क्या कह रहे हैं, यहां वो आरक्षण की वकालत करते हैं और विदेशों में कहते हैं कि समय आने पर आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा। राहुल गांधी अपने बारे में सोचें कि उनकी मानसिक आयु कितनी है। शिवराज ने महाराष्ट्र में मीडिया से कहा कि, महाविकास अघाडी या कांग्रेस जितने वादे करती है, गारंटियां देती है, कभी पूरे नहीं होते हैं। मध्यप्रदेश में भी 2018 में किसानों की कर्जमाफी का वादा किया था, लेकिन कर्ज माफ नहीं हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे खुद कह रहे हैं कि ऐसे वादे मत करो जिनको पूरा नहीं कर पाते हो। ये केवल वोट बैंक की राजनीति करते हैं, इसलिए इन पर अब कोई विश्वास नहीं करता है।

नवंबर में पिछले साल से भी सर्द भोपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी हवाओं के कमजोर होने और पहाड़ों में जेटस्ट्रीम चलने की वजह से मध्यप्रदेश में ठंड का असर है। भोपाल और जबलपुर में टेम्प्रेचर सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे है। भोपाल की रातें पिछले साल से ज्यादा सर्द हैं। वहीं, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में टेम्प्रेचर 2 डिग्री तक लुढ़क सकता है। उत्तरी हिस्से यानी ग्वालियर-चंबल संभाग में ठंड का असर ज्यादा बढ़ेगा। पचमढ़ी में दिन-रात दोनों ही सबसे ठंडे हैं। नवंबर महीने में यहां की रातें सबसे सर्द रही हैं। शुक्रवार-शनिवार की रात में यहां पारा 7.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। रविवार सुबह मौसम में ठंडक की वजह से झील किनारे धुंध छाई रही। निचले मैदानी इलाकों में घास पर ओस जमी दिखी। पिछले साल 14 नवंबर को भोपाल में रात का टेम्प्रेचर 12.8 डिग्री सेल्सियस रहा था। यह रात नवंबर की सबसे सर्द रात थी जबकि इस बार शुक्रवार-शनिवार की रात में पारा 12.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यानी भोपाल में नवंबर का महीना पिछले साल से भी सर्द है। भोपाल के अलावा जबलपुर में भी रात का पारा सामान्य से कम है। यहां तापमान 13.8 डिग्री पर पहुंच गया है, जो सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम है। इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन में पारा 15 डिग्री या इससे अधिक है। मौसम विभाग के अनुसार, 20 नवंबर तक प्रदेश में ठंड का दौर बना रहेगा। भोपाल, इंदौर-जबलपुर में भी सर्दी बढ़ेगी जबकि पचमढ़ी-अमरकंटक सबसे ठंडे रहेंगे। इसकी वजह उत्तर-पूर्वी हवाओं का असर कम होना है। वहीं, पहाड़ों में जेटस्ट्रीम का चलना है। ये हवाएं प्रदेश के उत्तरी हिस्से में भी आ रही हैं। इस वजह से शुक्रवार से मौसम में बदलाव देखने को मिला है, जो अगले कुछ दिन और बना रहेगा। रात के टेम्प्रेचर में गिरावट और सुबह के समय ठंड का असर होने के साथ कोहरा भी छाया रहेगा। पिछले 3 दिन से भोपाल समेत कई जिलों में सुबह 8 बजे तक कोहरा देखने को मिल रहा है। रविवार को भी ऐसा मौसम रह सकता है।

चिकित्सा संस्थानों में सुरक्षा उपायों के सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। झांसी के रानी लक्ष्मीबाई चिकित्सालय की नवजात शिशु चिकित्सा इकाई में हुई दुखद अग्नि दुर्घटना के मद्देनजर, चिकित्सा संस्थानों में निवारक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भोपाल ने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने संस्थानों का इलेक्ट्रिकल और फायर ऑडिट अनिवार्य रूप से करवाएं। फायर सिस्टम और फायर एक्सटिंग्विशर की स्थिति चालू होनी चाहिए, उन्हें समय-समय पर रिफिल करवाया जाए, और नियमित फायर ड्रिल आयोजित कर इसका अभिलेखीकरण रखा जाए। इसके अलावा आकस्मिक निकास द्वार बाधा रहित और सुलभ होना चाहिए। सभी चिकित्सकों, पैरामेडिकल और सहायक स्टाफ को आपातकालीन स्थितियों में वार्ड खाली कराने का प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है

जनजातीय गौरव दिवस पर धार में 108 मोटराइज्ड ट्राइसिकल वितरित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार में शुक्रवार को जनजातीय गौरव दिवस पर दिव्यांग जनों के जीवन को सरल और आत्मनिर्भर बनाने के लिये 108 मोटराइज्ड ट्राइसिकल का वितरण किया। यह ट्राइसिकल बैटरी से चलती हैं और दिव्यांग व्यक्तियों को स्वतंत्रता और गतिशीलता प्रदान करती है। इस पहल ने उनके जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह भर दिया है।

लाभार्थियों ने जब मोटराइज्ड ट्राइसिकल प्राप्त की, तो उनके चेहरे पर मुस्कान देखने लायक थी। यह ट्राइसिकल न केवल उनके आवागमन को सुविधाजनक बनाएगी, बल्कि उनके कार्यक्षेत्र और रोजमर्रा की गतिविधियों को भी सहज बनाएगी। मोटराइज्ड ट्राइसिकल पाकर लाभार्थी बेहद उत्साहित नजर आए। लाभार्थी श्री प्रेमचन्द हों या श्री देवी सिंह अथवा श्रीमती संगीता, कोई व्यवसाय करता है कोई नौकरी सभी ने कहा, पहले हर जगह जाने के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब इस ट्राइसिकल के माध्यम से हम खुद से व्यवसाय और नौकरी कर पाएँगे। ये हमारे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है साथ ही हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला है। मोटराइज्ड ट्राइसिकल आधुनिक बैटरी तकनीक और आरामदायक डिजाइन से लैस है। इसे दिव्यांग व्यक्तियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह वाहन लंबी दूरी तय करने में सक्षम है और ऊर्जा दक्षता के मामले में भी बेहतर है। इस पहल को प्रशासन और भारतीय कृत्रिम अंग उपकरण निर्माण निगम लिमिटेड कानपुर शाखा उज्जैन ने मिलकर अंजाम दिया।यह ट्राइसिकल न केवल दिव्यांग जनों को सुविधा प्रदान करेगी, बल्कि उन्हें समाज में आत्मनिर्भर और सशक्त बनाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दिव्यांग जनों ने इस पहल के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह ट्राइसिकल उनकी जिंदगी को एक नई दिशा देगी। उनके आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता में वृद्धि होगी और वे समाज में अपनी भूमिका को बेहतर ढंग से निभा सकेंगे। सरकार का ये कदम किस तरह समाज के उपेक्षित वर्गों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है, लाभार्थियों से चर्चा करने में स्पष्ट परिलक्षित हो रहा था। मोटराइज्ड ट्राइसिकल केवल एक साधन नहीं है, यह दिव्यांग जनों के जीवन में स्वतंत्रता और संभावनाओं के नए द्वार खोलने का प्रतीक है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में चीतल का शिकार करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उमरिया जिले के बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में चीतल का शिकार करने वाले 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पतौर परिक्षेत्र की है। तीन आरोपियों ने पालतू कुत्तों का उपयोग कर चीतल का शिकार कर उसका माँस ले गये। मुखबिरों की सूचना पर 3 आरोपियों रामलाल बैगा, कमलेश बैगा, छोटेलाल लोनी निवासी ग्राम उमरिया बकेली को चीतल के माँस के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध पार्क प्रबंधन ने वन्य-प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने 2 करोड़ 25 लाख के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि निर्माण ऐजेन्सीयाँ उनकों सौपे गये निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों को किए गए बादे के अनुसार क्षेत्र में विकास कार्यों में कमी नहीं रहने दी जाएगी। आवागमन के लिए सड़कों के निर्माण में पूरा-पूरा ध्यान रखा जा रहा है कि सड़के निर्माण के बाद लंबे समय तक चले, इसलिए सीमेंट क्रांकीट रोड बनाए जा रहे है। नागरिकों को स्वच्छ

पर्यावरण मिले इसके दृष्टिगत हर कॉलोनी के पार्कों का विकास किया जा रहा है। कॉलोनी में सीवेज सिस्टम को भी ठीक किया जा रहा है। साफ-सफाई का भी ध्यान रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर शनिवार को गोविंदपुरा विधानसभा के वार्ड 52 में आयोजित भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। इस दौरान उन्होंने 2 करोड़ 25 लाख रुपए की लागत से होने वाले कई निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि क्षेत्र की जनता ने उन्हें ऐतिहासिक वोटों से विजयी बनाया है।

कबड्डी हमारी मिट्टी से जुड़ा हुआ खेल है - प्रभारी मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में 17 वर्षीय बालक और बालिका आयु वर्ग में 5 दिवसीय 68वीं राष्ट्रीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता-2024 का शुभारंभ शनिवार को नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा हुआ। शुभारंभ मौके पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग और नरसिंहपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, सांसद दर्शन सिंह चौधरी और विधायक श्री महेन्द्र नागेश भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मैंने ऐसा बहुत कम देखा है, जब राष्ट्रीय स्तर के खेलों की प्रतियोगिता

छोटी जगहों पर हो रही हो। अक्सर यह प्रतियोगिता महानगरों में आयोजित होती रही है। नेशनल लेवल की प्रतियोगिता की यह ज़िम्मेदारी गाडरवारा शहर को मिली है। अब हमारा भी फ़र्ज़ है कि देशभर से आये खिलाड़ियों का स्वागत एवं उत्साहवर्धन करें। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि हमारे पारंपरिक खेल कबड्डी की भी अपनी पहचान है। हिंदुस्तान के गांव-गांव में कबड्डी खेली जाती हैं। यह खेल हमारी मिट्टी से जुड़ा है। राज्य सरकार परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि गाडरवारा के लिए यह ऐतिहासिक पल है। किसी देश में जिस तरह ओलंपिक, एशियन गेम्स या अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए तैयारी की जाती है, ठीक उसी तरह राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए भी तैयारियाँ करनी पड़ती है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन होना नरसिंहपुर ज़िले और गाडरवारा नगर के लिये गौरव और गरिमा की बात है। गाडरवारा में आज देश के चारों ओर से खिलाड़ी आये हैं। इन खिलाड़ियों के आने से अतुल्य भारत की झलक देखने को मिलती है।

राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के सभी मान्यता प्राप्त प्रदेशों (इकाइयों) के कुल 34 टीमें और 770 खिलाड़ी बालक-बालिकाएँ शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से की गई। इस मौके पर स्कूली बच्चों ने राष्ट्रीय एकता और देश की विभिन्न संस्कृतियों पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

एमपी के जिपं सदस्यों की निधि 50 लाख रुपए करें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल जिला पंचायत सदस्य एवं संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय मेहर के नेतृत्व में रविवार को जनप्रतिनिधियों ने मंत्री पटेल से मुलाकात की। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री पटेल के आवास पर पहुंचकर सदस्यों ने पंचायती राज से संबंधित विभिन्न समस्या और विकास कार्यों के बारे में चर्चा की। 15वें वित के बारे में भी विस्तृत बात की। इसके बाद मंत्री पटेल ने पंचायती राज से संबंधित समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में मनोहर सिंह बघेला, राहुल धाकड़, मनीराम लोधी, मनोज टेम्भरे, सुरेश राजपूत, अनस खान, कमलेश उइके, गोलू राय, मिश्रीलाल मालवीय आदि मौजूद थे।

खरगोन जिले के जनजातीय क्षेत्र झिरन्या में आयोजित हुआ विशाल ऐतिहासिक स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खरगोन जिले के जनजातीय बहुल क्षेत्र झिरन्या में संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। झिरन्या क्षेत्र के लिए यह एक ऐतिहासिक स्वास्थ्य शिविर रहा है। इसमें 12 हजार 882 लोगों की जांच की गई है। इस शिविर में एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर, मेडिकल कॉलेज खण्डवा, अरविंदों हॉस्पिटल इंदौर, ऑल इज वेल हॉस्पिटल बुरहानपुर एवं खरगोन जिले के 121 विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दी। एकलव्य विद्यालय परिसर झिरन्या में आयोजित शिविर के शुभारंभ पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुबाई तंवर, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती संगीता नार्वे, उपाध्यक्ष श्री मनोज जायसवाल, पूर्व विधायक श्री धुलसिंग डावर, श्रीमती नंदा ब्राह्मणे अन्य जनप्रतिनिधि एव अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। शिविर झिरन्या एवं दुरस्थ आदिवासी क्षेत्र के लोगों के लिए वरदान साबित हुआ है। गरीब एवं आदिवासी समाज के लोगों को इलाज के लिए रुपए खर्च कर जिला मुख्यालय खरगोन, खण्डवा या इंदौर, बड़ौदा जैसे बड़े शहरों में जाना होता था। जिससे उन्हें शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक परेशानी को सामना करना पड़ता था और इसमें समय की बर्बादी भी होती थी। झिरन्या शिविर लोगों के लिए राहत भरा रहा है। उन्हें एक ही छत के नीचे सभी विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं मिली है। खरगोन कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने बताया कि इस शिविर में 12 हजार से अधिक लोगों का इंदौर, खण्डवा, बुरहानपुर एवं खरगोन से आए 121 विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है। इस शिविर में स्कूली एवं छात्रावास के छात्र-छात्राओं का भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया है। उन्होंने बताया कि इस शिविर में जिन लोगों की जांच की गई है और उन्हें फॉलोअप की जरूरत है तो ऐसे मरीजों के लिए एक यूनिक आईडी बनाई गई है। यूनिक आईडी के माध्यम से जिन चिकित्सकों ने उनकी जांच की है वे आगे भी उनका फॉलोअप लेते रहेंगे। उन्होंने बताया कि इससे पहले भगवानपुरा एवं भीकनगांव में वृहद स्तर पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया है, जो सफल रहे हैं। जो नहीं पहुंचा हम तक, हम पहुंचे उन तक इस थीम पर झिरन्या में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 22 रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं देने पहुंचे हैं।

शिविर में मरीजों के पंजीयन, जनरल मेडिसीन एवं दवाई वितरण के लिए अलग-अलग काउंटर बनाएं गए थे। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं, सिकलसेल एनीमिया, केंसर जांच, दंत रोग, नेत्र रोग, चर्म रोग, शिशु रोग, अस्थि रोग, मूत्र रोग, ह्रदय रोग सहित अन्य सभी रोगों के सम्पूर्ण इलाज एवं जांच की व्यवस्था की गई थी। अलग-अलग बीमारियों की जांच के लिए अलग-अलग कक्ष बनाएं गए थे।

आयुष्मान भारत से बदली अमरनाथ बैगा की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सिंगरौली जिले के एक छोटे से गांव में रहने वाले अमरनाथ विशेष रूप से पिछड़ी एवं कमजोर जनजाति समूह बैगा में आते हैं। इनकी जिंदगी बचपन से ही कठिन संघर्षों से भरी रही। आर्थिक तंगी के कारण कई बार उन्हें और उनके परिवार को बुनियादी जरूरतें पूरी करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बीमारी या स्वास्थ्य समस्याओं की स्थिति में अस्पताल जाना एक बड़ी चुनौती बन जाता था। इलाज का खर्च उठाने की सामर्थ्य अमरनाथ में नहीं थी।

पीएम जन-मन योजना में अक्टूबर 2024 में अमरनाथ बैगा का आयुष्मान कार्ड बनने के बाद उनके जीवन में नई उम्मीद की किरण आई। आयुष्मान भारत योजना के तहत

सरकार ने उन्हें हर साल 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी है, जिससे उन्हें अब स्वास्थ्य संबंधी चिंता से मुक्ति मिली है। सरकारी और अधिकृत निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा के साथ, अब वह और उनका परिवार स्वास्थ्य समस्याओं का सही समय पर उपचार करवा सकता है। आयुष्मान योजना से लाभान्वित होने के बाद अमरनाथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि आयुष्मान योजना हम जैसे गरीबों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। उनके अनुसार इस योजना ने उनके जैसे कई गरीब परिवारों को आशा और सुरक्षा प्रदान की है। अब अमरनाथ बैगा को अपने परिवार के स्वास्थ्य की चिंता नहीं है और वह इस योजना के लाभ से अपनी और अपने परिवार की जिंदगी में सुधार कर पा रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना न केवल उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है, बल्कि यह उनके आत्मविश्वास और खुशहाली में भी एक महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

सीधी में चल रहा अतिक्रमण विरोध अभियान

लोग बोले- छोटी दुकानें तोड़ीं, लेकिन बड़ी दुकानों को छोड़ दिया, नपा सीएमओ बोलीं- बाद में करेंगे

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी में रविवार सुबह करीब 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल भी उठ रहा है। दरअसल, प्रशासन केवल छोटी दुकानों को हटा रहा है, बड़ी दुकानों पर कार्रवाई नहीं की है।

स्थानीय निवासी शैलेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि 50 लोगों की दुकानों पर कार्रवाई की गई है, जबकि हम छोटी सी दुकान चलाते हैं।

हमारी दुकान के पास ही बड़ी दुकान शुरू हो जाती हैं, जहां अतिक्रमण किया गया है। वहां पर अतिक्रमण नहीं हटाया जा रहा। नगर पालिका प्रशासन के कुछ कर्मचारी पैसों की माग करते हैं।

हालांकि जितने भी अतिक्रमण हटे हैं, करीब 100 से अधिक दुकानों पर नगर पालिका द्वारा की गई है।

नगर पालिका सीधी की सीएमओ मिनी अग्रवाल ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 - 25 के अंतर्गत अतिक्रमण हटाया जा रहा है। अभी छोटी दुकानों पर कार्रवाई चल रही है, उसके बाद बड़ी दुकानों पर भी एक्शन लिया जाएगा।

बीच बाजार गैस सिलेंडर में ब्लास्ट, 38 झुलसे

बिजावर में 100 मी. तक फैली लपटें, भगदड़ जैसे हालात बने

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर में बीच बाजार गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। हादसे में 38 लोग झुलस गए। इनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। 34 घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं, 4 मामूली घायलों का बिजावर के निजी क्लिनिक पर ही इलाज किया गया।

घटना रविवार दोपहर ढाई बजे बिजावर के बस स्टैंड पर हुई। घायलों में शामिल एक स्थानीय दुकानदार नीलू बघेल ने बताया कि पेटीज के ठेले पर सिलेंडर से पहले गैस लीक हुई और फिर ब्लास्ट हो गया।

ब्लास्ट के बाद मची भगदड़: घायलों ने बताया कि पेटीज की दुकान में तीन सिलेंडर रखे हुए थे। इनमें से एक फट गया। रविवार को बाजार लगता है इसलिए वहां बहुत भीड़ थी। धमाके के बाद भगदड़ जैसे हालात बन गए। आसपास के 100 मीटर तक के दायरे में लपटें उठीं। कई लोगों ने भागने की कोशिश की, फिर भी जल गए।

लगातार चलता रहेगा सिहावल मे रिश्वत का खेल, विधायक भी नहीं दे रहे ध्यान

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले के सिहावल मे स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। जहा खुलेआम मरीजों से पैसे की माँग की जाती है, और जब उसकी शिकायत की जाती है तो कोई सुनवाई नहीं होती है। जब इसकी शिकायत वरिष्ठ अधिकारियो से की जाती है तो उसमे भी वरिष्ठ अधिकारियो का खुला संरक्षण दिखाई देता है, वहा कार्यवाही नहीं होती है।

दरअसल यह पूरा मामला अमिलिया अस्पताल मे पदस्थ स्टाफ नर्स का है। जहा महिला स्टाफ नर्स के द्वारा हितग्राहियों से पैसे की मांग की जाती है अगर कोई भी महिला डिलीवरी करने आती है तो वह बिना चढ़ावा चढ़ाए नहीं जाती है। अगर डिलीवरी होने वाली महिला की परिजन पैसे नहीं देते हैं तो उनके डिस्चार्ज पेपर को भी रोक दिया जाता है और उनसे अच्छे से बात भी नहीं की जाती है ऐसा आरोप लगाया गया है। इसकी शिकायत लगातार की जा रही है पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है बीएमओ और सीएमएचओ की भी इनमें मिली भगत जान पड़ती है क्योंकि सारी सच्चाई जानने के बाद भी अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई ऐसा लोग कह रहे हैं।

सभी संबंध में सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक से बात की गई तब उन्होंने भी इसे तवज्जो नहीं दिया उन्होंने भी कोई कार्यवाही की बात नहीं की। जब एक क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारी और राजनेता भी इस प्रकार के क्रियाकलाप करेंगे तो आम जनता का क्या होगा यह तो सोचने वाली बात है।

किसान को मिला हीरा, 5 साल में मिला 16वां हीरा, इस बार 25 लाख का

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना जिले के जरूआपुर निवासी दिलीप मिस्त्री को अपने खेत की खदान में 7 कैरेट 44 सैण्ट वजन का हीरा मिला है। इसकी अनुमानित कीमत 25 लाख रुपए है। इसे हीरा कार्यालय मे जमा करा दिया गया है। हीरा पारखी अनुपम सिंह ने बताया कि यह हीरा आगामी 4 दिसंबर से शुरू होने वाली नीलामी में रखा जाएगा। यहीं इसकी सही कीमत का आंकलन होगा। बता दें कि दिलीप मिस्त्री ने 2019 में अपने तीन पार्टनरों- प्रकाश मजूमदार, संतू यादव और भरत मजूमदार के साथ मिलकर हीरा खदान शुरू की थी। अब तक उन्होंने कुल 15 हीरे निकाले हैं, जिसमें 16 कैरेट 80 सैण्ट का हीरा सबसे बड़ा था। इसे उन्होंने अपने पार्टनरों के साथ मिलकर हीरा कार्यालय में जमा करा दिया है।

लालीमाटी में मिला 4 महीने का भ्रूण

ग्रामीण बोले- इस रास्ते से 10 गांव के लोगों का आना-जाना, किसने फेंका पता नहीं

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के कमर्जी थाना अंतर्गत लाली माटी गांव में रविवार दोपहर करीब एक बजे सड़क किनारे भ्रूण मिलने से सनसनी मच गई। जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी स्टाफ के साथ पहुंच गए। मामले में एसआई मोतीलाल रावत का कहना था कि यह भ्रूण 4 महीने लग रहा है। यह किसका है और किसका नहीं है। यह हम आपको नहीं बता सकते हैं। गांववालों ने बताया कि इस रास्ते से 10 गांव के लोगों का आना-जाना है। इसलिए इस बात का अंदाजा लगा पाना मुश्किल है कि यह भ्रूण किसका है और किसने यहां फेंका है।

वहीं थाना प्रभारी पवन सिंह ने बताया कि रविवार दोपहर 12 बजे सूचना मिली थी। इसके बाद हमने पुलिस की टीम को मौके पर भेजा था। मैं स्वयं भी मौके पर पहुंचा था। तकनीकी साक्ष्य और अन्य आधार पर हम पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

टेढ़े.मेढ़े पैर वाले बच्चों के लिए वरदान बनी क्लब फुट क्लीनिक

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जन्म से दिव्यांगता झेल रहे टेढ़े.मेढ़े पैर वाले बच्चे, क्लब फुट रोगियों के लिए जिला अस्पताल में संचालित क्लब फुट क्लीनिक वरदान साबित हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मिरेकल फीट इंडिया के द्वारा ऐसे रोगियों के उपचार कराने का जिम्मा उठाया गया है। इसके लिए जिला अस्पताल में विगत सप्ताह से सुचारू रूप से प्रारंभ हुई क्लीनिक में करीब 13 से अधिक बच्चों का सफलता पूर्वक इलाज किया गया है। इनमें से अधिकांश बच्चे स्वस्थ हो चुके हैं और अपने पैरों पर खड़े होने लगे हैं।

पेंशन शिविर का आयोजन 25 से 29 तक

पेंशन प्रकरणों के निराकरण के कलेक्टर ने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। म.प्र. सिविल सेवा (पेंशन) नियम- 1976 के नियम 49 से लेकर 60 में दिये गये प्रावधानों अनुसार सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों की तैयारी सेवा निवृत्त के दो वर्ष से पूर्व की जाकर छः माह पूर्व कार्यालय प्रमुख द्वारा पेंशन प्रकरण तैयार कर जिला पेंशन कार्यालय को प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने समस्त कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया है कि 31 अक्टूबर तक सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण निराकरण हेतु पेंशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण हेतु पेंशन शाखा लिपिक के साथ जिला पेंशन कार्यालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि पेंशन शिविर में पेंशन प्रकरण निराकरण नहीं कराये जाने की स्थिति में जिला पेंशन अधिकारी के प्रतिवेदन के अनुसार संबंधित अधिकारियों का माह नवम्बर 2024 का वेतन रोका जावेगा।

उल्लेखनीय है कि 25 नवंबर से 29 नवंबर तक पेंशन शिविर का आयोजन पेंशन कार्यालय सीधी में किया गया है। पेंशन शिविर के शाखा प्रभारी त्रिवेणी दास कोल सहायक पेंशन अधिकारी होंगे। जिन कार्यालय प्रमुखों द्वारा पेंशन प्रकरण तैयार कर जिला पेंशन कार्यालय में जमा किया गया है उन्हें भी निर्देशित किया गया है कि पेंशन शिविर में उपस्थित होकर पेंशन प्रकरण निराकरण कराये।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना के प्रस्ताव आमंत्रित किए गए

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कार्यपालन अधिकारी जिला अन्त्यावसायी सह.वि.स. ने जानकारी देकर बताया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वरोजगार योजना अन्तर्गत म.प्र. अनुसूचित जाति राज्य सहकारी वित्त एवं विकास निगम भोपाल के द्वारा मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना का संचालन किया जा रहा है। अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को हितलाभ प्रदाय किये जाने हेतु विशेष परियोजना का संचालन किये जाने हेतु सीधी जिले को लक्ष्य प्रदाय किया गया है, जिसमें अधिकतम लागत 02 करोड़ अनुदान के रूप में जारी किये जाने का प्रवधान है।

भूमि - परियोजना हेतु भूमि की उपलब्धता राजस्व विभाग अन्तर्गत प्रचलित, नजूल निर्वतन नियम एवं इस सम्बध में विभिन्न विभागों की नीति मे किये गये प्रावधानों के अधीन होगी। परियोजना शासन के शत-प्रतिशत अनुदान पर आधारित होने के कारण अन्तिम स्वामित्व शासन का होगा, जिसका उपयोग विभाग द्वारा वित्त विभाग से परामर्श उपरांत बनाए गये प्रावधानों के अनुसार होगा। वित्तीय प्रवाह- लाईन विभागों से प्राप्त प्रस्तावों के अंतिम रूप से चयन उपरांत परियोजना लागत की राशि शत-प्रतिशत अनुदान के रूप मे परियोजना के बचत खाते में सीधे हस्तांतरित किया जावेगा। वार्षिक लक्ष्य निर्धारण - योजनान्तर्गत प्रावधानित बजट अनुसार वार्षिक भौतिक/वित्तीय लक्ष्य निर्धारित किये जायेगा।

परियोजना अन्तर्गत पूंजीगत लागत एवं कार्यशील पूंजी का योग परियोजना लागत होगा। परियोजना में उपयोग किये गये जाने वाले प्लांट एवं मशीनरी/उपकरण का मूल्य पूंजीगत लागत होगा। भूमि का मूल्य परियोजना मे शामिल नहीं होगा तथा भवन मे निवेश, मशीनरी/उपकरण लागत के 100 प्रतिशत से अधिक नहीं न हो।

परियोजनान्तर्गत लिये जाने वाले गतिविधि: उद्योग (विनिर्माण) एवं सेवा क्षेत्र से सम्बधित कृषि आधारित परियोजनाए-एग्रो प्रोसेसिंग, फूड्ड प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज, मिल्क प्रोसेसिंग, केटल फीड, पॉल्ट्री फीड, फीश फीड, कस्टम हायरिंग सेंटर, बेजीटेबिल डीहाईडेसन, टिश्यू कल्चर, मसाला निर्माण, सीड ग्रेडिंग/शार्टिंग, ग्रामोद्योग, हस्तशिल्प कला से जुड़े परियोजनाए आदि अनुसूचित जाति के हितग्राही समूह को ध्यान में रखते हुये तैयार की जा सकती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना के प्रस्ताव तैयार किये जाने हेतु अनु.जाति के समुदाय/समूह एवं लाईन विभागों के माध्यम से परियोजना प्रस्ताव तैयार कर कार्यालय जिला अन्त्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित सीधी जिला सीधी उपलब्ध कराने का कष्ट करें। परियोजना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिये कार्यालयीन समय में सम्पर्क कर कार्यपालन अधिकारी जिला अन्त्यावसायी स.वि.स. सीधी से प्राप्त की जा सकती है।

विद्युत संबंधी समस्याओं का तत्परता से निराकरण करें : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विद्युत मण्डल के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विद्युत संबंधी समस्याओं का तत्परता से निराकरण करें। ट्रांसफार्मर जल व खराब होने की शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही करते हुए इन्हे बदलने की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं तथा केबिल खराब होने पर उन्हे बदले जाने की कार्यवाही करें। शुक्ल ने राजनिवास सर्किट हाउस रीवा में अधिकारियों को फीडर सेपरेशन के कार्य को गति देने के निर्देश दिए तथा कहा कि मैनपावर बढ़ाएं तभी फीडर विभक्तिकरण का कार्य समय में पूर्ण हो सकेगा।

नेकी की दीवार से ज़रूरतमंदो को मिल रहा सहारा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला मुख्यालय में शुक्रवार को नेकी की दीवार का भव्य शुभारंभ किया गया। जिसमें महज 3 दिवस के अंदर सैकड़ो गरीबों के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली। जिला प्रशासन की सार्थक पहल पर नेकी की दीवार के माध्यम से जरूरतमंदो को यथा संभव प्रयास कर वस्त्र एवं अन्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। सीएमओ नगर पालिका मिनी अग्रवाल ने नगर में स्वच्छता बनाये रखने की अपील करते हुए कहा कि घर, दुकान एवं प्रतिष्ठान से निकलने वाला कचरा इधर उधर कचरा न फेंके साथ ही घरों में पड़े अतिरिक्त वस्त्र नेकी की दीवार अस्पताल चौक के समीप, शमा मेडिकल के सामने आ कर दान कर सकते हैं। जिससे जरूरतमंदो की मदद होगी। नेकी की दीवार एक ऐसी पहल है जहां ज़रूरतमंद लोग अपनी ज़रूरत के मुताबिक सामान ले सकते हैं और जिनके पास ज़्यादा है, वे उसे यहाँ आकर छोड़ सकते हैं। इस पहल के तहत समर्थ लोग अपने घर के पुराने कपड़े, बर्तन, किताबें, खिलौने, ₹ ाकरी और फ़र्नीचर वगैरह को नेकी की दीवार पर रख सकते हैं। वहीं ज़रूरतमंद लोग अपनी ज़रूरत के मुताबिक सामान ले सकते हैं।

बिना परमिट फिटनेस के दौड़ रही खटारा बसें, परिवहन विभाग नींद में

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले की विभिन्न सड़कों पर इन दिनो कई खटारा बसे बेधड़क दौड़ रही हैं और कई बसें काला धुआं उगल रही हैं, इससे यह जाहिर हो रहा है कि यह बस सिर्फ बाहर से चकाचक दिख रही है लेकिन अंदर से पूरी तरह खटारा अनफिट हैं। फिटनेस के नाम पर होने वाले जांच में भी परिवहन विभाग के अफसर सिर्फ खानापूर्ति और ऐसे बस मालिको से सांठगांठ कर रहे हैं, जिसका नतीजा है कि अनफिट और कबाड़ हो चुकी बसें भी सड़कों पर दौड़ रही हैं जो धुआं उड़ा रही हैं।

कई बार दुर्घटना का कारण भी ऐसी ही खटारा बसें होती है, लेकिन इसके बाद भी उन पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की जा रही है। लोगो की जान जोखिम में नजर आ रही है।बस ऑपरेटरों के लिए परिवहन विभाग की साफ गाइडलाइन है कि उनको हर सीट के हिसाब से टैक्स देना होगा और वाहनों की फिटनेस भी समय पर करानी होगी। फिटनेस तो दूर की बात जिले में कई बस ऑपरेटर परमिट तक ही नहीं ले रहे हैं। इस स्थिति में विभाग को टैक्स नहीं मिल पा रहा है। बता दें कि कई बसें ऐसी है जरे दूसरों के परमिटों पर दौड़ रही हैं। ऐसी स्थिति में दूसरे जो अपनी फिट गाड़ियों को दौड़ाना चाहते हैं उनको नुकसान झेलना पड़ता है।

जनसुनवाई में हंसना अधिकारी को पड़ा भारी

ई-गवर्नेंस के सहायक प्रबंधक को छतरपुर अपर कलेक्टर ने दिया कारण बताओ नोटिस

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर के जिला पंचायत सभाकक्ष में 29 अक्टूबर को आयोजित जनसुनवाई के दौरान हंसना एक अधिकारी को भारी पड़ गया। अपर कलेक्टर ने उसे दंडनीय अपराध मानते हुए कारण बताओ नोटिस दिया है। अब यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

यह है मामला: जानकारी के अनुसार 29 अक्टूबर को जिला पंचायत सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई थी। इस दौरान ई-गवर्नेंस के सहायक प्रबंधक, केके तिवारी किसी बात पर हंस दिए। अपर कलेक्टर मिलिंद नागदेवे ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

4 नवंबर को जवाब देने को कहा गया था: अपर कलेक्टर ने 30 अक्टूबर को तिवारी को एक नोटिस जारी किया, जिसमें उनके व्यवहार पर स्पष्टीकरण मांगा गया। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा-

इस प्रकार का कृत्य अनुशासनहीनता और कर्तव्य के प्रति उदासीनता करते हुए लापरवाही को दर्शाता है। यह सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के तहत गंभीर कदाचरण है। वहीं नियम 1966 के नियम 10 के तहत दण्डनीय है। अतः आप 4 नवंबर को शाम 4 बजे लिखित उत्तर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। इस कृत्य के लिए क्यों न आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। यदि आपका उत्तर सही नहीं पाया गया तो मान लिया जाएगा कि आपके द्वारा जान-बूझकर लापरवाही की गई है, जिसके उत्तरदायी आप स्वयं होंगे।

बात टालते नजर आए अपर कलेक्टर: जब मामले में अपर कलेक्टर मिलिंद नागदेवे से जानकारी लेना चाही तो वे बात को टालते नजर आए।

सहायक प्रबंधक बोले- नोटिस का जवाब दे दिया है: वहीं मामले में सहायक प्रबंधक कृष्णकांत तिवारी ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान हम किसी बात को लेकर पास में बैठे संबंधित व्यक्ति से चर्चा कर रहे थे। अपर कलेक्टर को लगा कि हम हंस रहे हैं, जिस पर उन्होंने नोटिस दिया था। हमने उसका जवाब भी दे दिया था, उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

विचार

महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता

वर्तमान महाराष्ट्र राज्य का निर्माण कांग्रेस पार्टी ने किया था। 1 मई, 1960 से जब राज्य को बॉम्बे राज्य से अलग किया गया था, तब से 20 मुख्यमंत्री (कुछ बार-बार) बन चुके हैं। उनमें से 5 को छोड़कर सभी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के थे। (मैं शरद पवार को भी कांग्रेस के मुख्यमंत्री के रूप में गिनता हूं, जो कभी कांग्रेस (समाजवादी) से अलग हुए समूह का प्रतिनिधित्व करते थे)। कांग्रेस का विरोध करने वाली पार्टी से 5 लोग मनोहर जोशी, नारायण राणे, देवेंद्र फडऩवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे थे। इन पांचों ने कुल 64 साल, 6 महीने और 17 दिनों में से लगभग 15 साल तक इस पद पर कब्जा किया। बाकी सालों में कांग्रेस पार्टी का एक मुख्यमंत्री सत्ता में रहा। राज्य विधानसभा के लिए आखिरी चुनाव नवंबर 2019 में हुए थे। पिछले 5 सालों में 3 मुख्यमंत्री बने हैं। इनमें से फडऩवीस और शिंदे महायुति के और ठाकरे एम.वी.ए. के साथ हैं। नवंबर 2019 से जून 2022 के बीच 2 साल और 214 दिनों को छोड़कर भाजपा 31 अक्तूबर 2014 से सत्ता में है, जब शिवसेना, कांग्रेस और एन.सी.पी. (एम.वी.ए.) का गठबंधन सत्ता में था। भाजपा ने शिवसेना और एन.सी.पी. में दलबदल करवाया, एम.वी.ए. सरकार को गिराया और अपनी गठबंधन सरकार (महायुति) स्थापित की। मतदान 20 नवंबर, 2024 को है। मुझे शेक्सपियर के शब्दों में निहित एक सत्य याद आ रहा है 'अच्छाई अक्सर उनकी हड्डियों के साथ दफन होती है।' कोई भी अतीत के गौरव के लिए वोट नहीं करता। वर्तमान चुनाव इस बारे में है कि महाराष्ट्र आज खुद को कहां पाता है और इसका भविष्य क्या होगा। अर्थव्यवस्था की स्थिति- जहां तक अर्थव्यवस्था का सवाल है, निस्संदेह यह कांग्रेस ही थी जिसने महाराष्ट्र को औद्योगिकीकरण में नंबर 1 स्थान पर पहुंचाया, लेकिन राज्य हाल के वर्षों में 'विकास' के विभिन्न मापदंडों पर पिछड़ गया है। आंकड़े खुद ही सब कुछ बयां कर रहे हैं।

युवा बेरोजगारी दर 10.8 प्रतिशत है। महिला बेरोजगारी दर 11.1 प्रतिशत है। महाराष्ट्र में अधिकांश रोजगार स्वरोजगार है। समय-समय पर विज्ञापित कुछ सरकारी नौकरियों के लिए लाखों आवेदक दौड़ते हैं। पुलिस कांस्टेबल/ ड्राइवर के 18,300 पदों और तलाटी (एक ग्राम अधिकारी) के 4,600 पदों के लिए 11 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया। महाराष्ट्र द्वारा लुभाए गए और राज्य में स्थापित होने के लिए सहमत होने के बाद, रोजगार सृजन करने वाले विश्व स्तरीय व्यवसायों को सत्ताधारियों द्वारा गुजरात में स्थानांतरित होने के लिए राजी किया गया है।

शहीद भगत सिंह के बलिदान पर क्यों उठ रहे सवाल

राज सदोष

किसी वक्त केन्द्रीय जेल का हिस्सा रहे शादमान चौक लाहौर का नामकरण शहीदे आजम भगत सिंह के नाम पर करने के लिए लंबे संघर्ष के बाद भगत सिंह मैमोरियल फाऊंडेशन लाहौर के पक्ष में उच्च न्यायालय ने आदेश तो जारी कर दिए लेकिन उसकी पालना करने की बजाय अवमानना का सामना कर रहे लाहौर नगर निगम ने अब एक रिपोर्ट पेश की है जिसे किसी सेवानिवृा सैनिक अधिकारी द्वारा लिखा हुआ बताते हैं। इस रिपोर्ट ने न केवल पाकिस्तान बल्कि पूरे विश्व में बहस को जन्म दिया है।

भगत सिंह मैमोरियल फाऊंडेशन लाहौर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जाना-पहचाना नाम है। इसके अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी ने तर्क दिया कि अविभाजित ड्डक्षहदुस्तान के विभिन्न क्षेत्रों, विभिन्न समुदायों, विभिन्न जातियों और धर्मों के लोगों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ क्रांतिकारी आंदोलन में भाग लिया। क्रांतिकारी आंदोलन के अलावा कई महत्वपूर्ण हस्तियों ने विदेशी दासता को समाप्त करने के लिए भी आंदोलन शुरू किए। इनमें कायदे आजम मोहम्मद अली जिन्ना भी थे, जिनकी बदौलत पाकिस्तान प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध देश के रूप में उभरा है। कुरैशी के अलावा सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ वकील जुलकारनैन और मनव्वर हुसैन खोखर ने शादमान चौक का नामकरण भगत सिंह के नाम पर करने के आदेश को रद्द करने वाले पंजाब सरकार के दस्तावेज के जवाब में कहा है कि पाकिस्तान की जनता अच्छी तरह जानती है कि ये सब इतिहास में दर्ज तथ्य हैं और हम इन्हें नकार नहीं सकते। हम इस तथ्य से भी इंकार नहीं कर सकते कि स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांतिकारियों के बलिदान ने ब्रिटिश शासन को कड़ी चुनौती दी थी, जिनमें से पाकिस्तान में जन्मे भगत सिंह का नाम पूरी दुनिया जानती है और उनके विचारों को लोक कल्याण के लिए महत्वपूर्ण मानती है।

कायदे आजम ने 1929 में सैंट्रल असैंबली दिल्ली में क्रांतिकारी युवाओं द्वारा किए गए विस्फोटों के बाद दिए भाषण में न केवल भगत सिंह और उनके साथियों के बलिदानी व्यक्तित्व की प्रशंसा की थी बल्कि मजबूत इरादे से उनके समर्थन में खड़े भी हुए और ब्रिटिश कानून व्यवस्था और सिद्धांतों पर सवाल उठाए। लाहौर हाईकोर्ट ने शादमान चौक को भगत सिंह चौक बनाने का फैसला दिया लेकिन नहीं बनाया गया। अदालत की अवमानना के सवाल पर पंजाब सरकार के प्रतिनिधियों ने हाईकोर्ट को जो जवाब दिया, वह काफी हास्यास्पद, इतिहास से छेड़छाड़ और इस्लामी नजरिए को तोड़-मरोड़कर पेश करने वाला है। सरकार की ओर से हाईकोर्ट को ऐसा जवाब तब दिया गया, जब बीते शुक्रवार उन्हें अवमानना मामले में जवाब देने का आखिरी मौका दिया गया था।

फाऊंडेशन का कहना है कि भगत सिंह एक क्रांतिकारी सपूत थे जो पाकिस्तान की धरती पर पैदा हुए। अब हम छद्म राजनीतिक उद्देश्यों के लिए अपने देश के इतिहास को नष्ट नहीं होने दे सकते। शहीद भगत सिंह चौक के निर्माण के खिलाफ कोई ठोस रुख पेश करने के बजाय पंजाब सरकार ने गंभीर आरोप लगाए हैं। पंजाब सरकार की ओर से सहायक महाधिवक्ता असगर लेघारी ने अपने जवाब में उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी है और उनका मानना है कि देश के संविधान और इतिहास की जांच किए बिना, उच्च न्यायालय में माननीय न्यायाधीशों ने शादमान चौक का नाम शहीद भगत सिंह चौक रखने का फैसला दे दिया। पंजाब सरकार के अनुसार भगत सिंह कोई क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी और शहीद नहीं थे, बल्कि आज की परिभाषा में एक अपराधी और आतंकवादी थे। फाऊंडेशन कहती है कि अगर ऐसा था तो कायदे आजम उनके बचाव में अपने विचार क्यों रखते। यहां यह भी स्पष्ट हो जाता है कि वास्तव में भगत सिंह के बारे में जो दृष्टिकोण कभी औपनिवेशिक ब्रिटिश सरकार का था, लगभग वही दृष्टिकोण वर्तमान पंजाब सरकार के प्रतिनिधियों का भी है।

पंजाब सरकार पाकिस्तान में जन्मे महान क्रांतिकारी की स्मृति को संरक्षित करने की योजना को घृणित बता रही है। ऐसा करके वह लाहौर के इतिहास पर सवालिया निशान लगा रही है और हर उस चीज के प्रति नफरत का संदेश भेज रही है जिसने आज के पाकिस्तान के क्षेत्र में इतिहास की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। लाहौर सैंट्रल जेल अपने आप में दुनिया के इतिहास का एक महत्वपूर्ण पन्ना है क्योंकि भगत सिंह और उनके 2 साथियों को समय से पहले ही वहां फांसी दे दी गई थी।

फाऊंडेशन को आपत्ति है कि पंजाब सरकार ने तर्क दिया है कि 23 साल की उम्र में कोई क्रांतिकारी नहीं बनता। यह बयान बिल्कुल हास्यास्पद है। बहुत कम उम्र में कई क्रांतिकारी हुए हैं और कई धार्मिक हस्तियों ने भी बहुत कम उम्र में ज्ञान का प्रसार किया। फाऊंडेशन की याचिका को खारिज करवाने के लिए 16 पेज का उत्तर लिखने वाले सरकारी प्रतिनिधियों को इतिहास की जानकारी नहीं है। क्या फिलिस्तीन में युवा लड़ाकों को अपराधी कहा जा सकता है? जबकि इसराईली शासक उन्हें अपराधी और आतंकवादी मानते हैं।

पंजाब सरकार का कहना है कि भगत सिंह खुद को नास्तिक कहते थे और इस संदर्भ में उन्हें शहीद कहना उन्हें इस्लाम के लिए शहीदों के बराबर बताना है। यह अवधारणा पंजाब सरकार की देन है, भगत सिंह मैमोरियल फाऊंडेशन ने कभी ऐसी तुलना नहीं की। इस्लाम के संदेश पर चलकर मानवता की भलाई और शांति की राह पर कुर्बानी देना ही शहादत है। भगत सिंह के लेख 'मैं नास्तिक क्यों हूं' में साफ लिखा है कि हमारे समाज में जिस तरह का भेदभाव और अपराध है, वह धर्म के खिलाफ है। उस लेख का चौक का नामकरण नकारने के लिए बहाना बनाना गलत है, इसके लिए समाज में मौजूद व्यवस्था और शासक जिम्मेदार हैं। पंजाब सरकार के प्रतिनिधियों को भगत सिंह के बारे में और अधिक जानकारी जुटाने और समझने की जरूरत है। एक तरफ तो सरकार कहती है कि भगत सिंह 2 समुदायों की सर्वोच्च शख्सियतों के अनुयायी थे और दूसरी ओर उन्हें नास्तिक बता रही है।-

राजनीतिक पूंजी बचाने और बागियों को सबक सिखाने दिन-रात मेहनत कर रहे पवार

नीरज कुमार दुबे

शरद पवार साथ ही उन सभी विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में भी जा रहे हैं जिन्होंने अजित पवार के नेतृत्व में उनको धोखा दिया। उन विधायकों के क्षेत्रों में जाकर वह उनकी कारगुजारियों से जनता को अवगत करा रहे हैं और उन्हें सबक सिखाने के लिए कह रहे हैं। राकांपा (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार के लिए इस बार का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पहले के चुनावों की तरह सामान्य नहीं है। यह चुनाव शरद पवार के लिए सिर्फ सरकार बनाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए भी नहीं है। शरद पवार के लिए इस बार का चुनाव अपनी जीवन भर की राजनीतिक कमाई को बचाने और धोखा देने वालों को सबक सिखाने का चुनाव भी है। हम आपको याद दिला दें कि भतीजे अजित पवार ने चाचा शरद पवार द्वारा बनाई गयी पार्टी एनसीपी पर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल और धनंजय मुंडे जैसे कई नेता हैं जिनको संकट के समय शरद पवार ने राजनीतिक सहारा देकर उबारा था लेकिन वह धोखा देकर अजित पवार के साथ चले गये। इसलिए इस चुनाव में शरद पवार हर वो चाल चल रहे हैं जिससे उनको धोखा देने वालों को सबक सिखाया जा सके। जहां भावनात्मक कार्ड खेलना है वहां शरद पवार इमोशनल हो जा रहे हैं, जहां राजनीतिक चाल चलनी है वहां वह आक्रामक हो जा रहे हैं। उनको इस बार कितनी बड़ी राजनीतिक कामयाबी मिल पाती है यह तो परिणाम ही बताएंगे लेकिन इतना तो दिख ही रहा है कि महाराष्ट्र की राजनीति के वटवृक्ष माने जाने वाले शरद पवार दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बारामती में लोकसभा चुनावों के दौरान शरद पवार का इमोशनल कार्ड लोकसभा चुनावों में भी चला था जब उनकी बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ उनके भतीजे अजित पवार ने अपनी पत्नी को चुनाव में उतार दिया था।

पाकिस्तान के साथ खेलने का मतलब आतंकवाद को कमजोर करना

सुधींद्र कुलकर्णी

1894 में अपनी शुरूआत से ही ओलिम्पिक आंदोलन का आदर्श वाक्य रहा है 'शांति के लिए खेल'। नौवीं शताब्दी ईसा पूर्व में ओलिम्पिक युद्धविराम का इतिहास हमें बताता है कि इसका इस्तेमाल ग्रीस के युद्धरत राजाओं द्वारा वास्तविक संघर्ष के विकल्प के रूप में एथलीटों के बीच शांतिपूर्ण प्रतिस्पर्धा की अनुमति देने के लिए किया गया था। खेल प्रतियोगिताओं में दर्शकों की भागीदारी की अनुमति देकर राजाओं ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि लोगों यानी गैर एथलीटों का भी शत्रुता को समाप्त करने, आपसी सद्भाव को बढ़ाने और शांति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान है। दुख की बात है कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता की बात आती है, तो खेल रूपक रूप से युद्ध का मैदान बन जाता है। भारत सरकार स्पष्ट रूप से मानती है कि न तो एथलीटों और न ही गैर-एथलीटों की भारत-पाक शांति स्थापना में कोई भूमिका है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बी.सी.सी.आई.) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आई.सी.सी.) को दिए गए इस निर्णय से यही अर्थ निकाला जा सकता है कि भारतीय क्रिकेट टीम को अगले साल की शुरूआत में 8 देशों की चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि अभी तक आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं किए गए इस निर्णय के लिए नई दिल्ली के कारण परिचित लाइनों के समान है। पाकिस्तान भारत में आतंकवादी गतिविधियों का प्रायोजक बना हुआ है। इसलिए 'आतंकवाद और खेल' एक साथ नहीं चल सकते, जैसे कि 'आतंकवाद और बातचीत' एक साथ नहीं चल सकते।

भारत सरकार का तर्क तथ्यों के आधार पर सही है, लेकिन इसके निष्कर्ष त्रुटिपूर्ण हैं। आइए पहले तथ्यों पर नजर डालें। पाकिस्तान ने भारत में आतंक का निर्यात बंद नहीं किया है। पिछले महीने की शुरूआत में विधानसभा चुनावों के सफल समापन के बाद पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों ने जम्मू और कश्मीर में हमारे सुरक्षा बलों और नागरिकों पर कई हमले किए हैं। हालांकि, पाकिस्तान का आतंकवाद को समर्थन कोई नई बात नहीं है। इसकी शुरूआत 1970 के दशक के अंत और 1980 के दशक की शुरूआत में हुई थी, जब इसने भारत को 2 मोर्चों पर नुकसान पहुंचाना शुरू किया खासकर पंजाब (खालिस्तानी संगठनों के माध्यम से) और कश्मीर में अलगाववादियों को बढ़ावा देकर और बाद में मुंबई, दिल्ली और अन्य जगहों पर भारतीय क्षेत्र में और भी गहराई तक हमला करके।

घरेलू स्तर पर परिणामी अस्थिर परिस्थितियों और आतंकवाद के केंद्र के रूप में वैश्विक स्तर पर अर्जित बदनामी के कारण कई क्रिकेट खेलने वाले देशों ने पाकिस्तान का दौरा करने से परहेज किया। लेकिन क्या इससे यह निष्कर्ष निकालना सही है कि भारत को पाकिस्तान के साथ अपने सभी क्रिकेट संबंध तोड़ देने चाहिएं? नहीं, वास्तव में भारत ने

1993 में मुंबई पर हुए आतंकी हमलों और 2001 में संसद पर हुए हमले के बाद भी पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना जारी रखा। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के आशीर्वाद से पाकिस्तान और भारत दोनों की धरती पर टैस्ट सीरीज खेली गईं। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भी दोनों टीमें खेलती रही हैं, हालांकि यू.ए.ई. और श्रीलंका जैसे तीसरे देशों में। यह इस निष्कर्ष को ध्वस्त करता है कि 'आतंकवाद और क्रिकेट एक साथ नहीं चल सकते'।

दूसरे निष्कर्ष के बारे में क्या कहा जाए कि भारतीय टीम के लिए पाकिस्तान में खेलना असुरक्षित है? खैर, पाकिस्तान सरकार ने आई.सी.सी. सदस्यों को यह समझाने के लिए ठोस और सफल प्रयास किए हैं कि पाकिस्तानी धरती पर टैस्ट, वन-डे और टी20 सीरीज खेलना सुरक्षित है। हाल के वर्षों में, पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया, बंगलादेश, इंगलैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और वैस्टइंडीज की टीमों की मेजबानी की है। इसकी राजनीति में असामान्यता की हद का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसके इतिहास के सबसे महान क्रिकेटर इमरान खान, जो इसके प्रधानमंत्री भी बने ,मामूली आरोपों में जेल में सड़ रहे हैं। जितनी जल्दी इस्लामाबाद आतंकवाद और धार्मिक कट्टरता से अपने सभी संबंध तोड़ लेगा उतना ही पाकिस्तान के लोकतंत्र, इसकी बेहद संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था और इसकी वैश्विक प्रतिष्ठा के लिए बेहतर होगा। पाकिस्तानी लोगों के साथ दोस्ती और आपसी विश्वास के बंधन को मजबूत करके आतंकवाद को कमजोर करना बेहतर है। क्रिकेट, सिनेमा, व्यापार और हजारों सालों के सामाजिक-आध्यात्मिक भाईचारे के बंद दरवाजे खोलकर इसे सबसे बेहतर तरीके से हासिल किया जा सकता है।

(लेखक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के करीबी सहयोगी थे)

मंत्री ने मोदी को बताया आदिवासियों का भगवान

नेताम बोले-वह अवतारी पुरुष, कांग्रेस ने पूछा-क्या बूढ़ादेव-महादेव से बड़े हैं मोदी, माफी मांगे बीजेपी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के आदिवासी मंत्री रामविचार नेताम ने पीएम मोदी को आदिवासियों का भगवान और अवतारी पुरुष बताया है। इस पर कांग्रेस ने आदिवासी समाज का अपमान बताया। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि, आदिवासियों के भगवान बूढ़ादेव है। क्या भाजपा नरेंद्र मोदी को बूढ़ादेव से ऊपर मानती है। क्या भगवान महादेव से भी मोदी बड़े हैं ?

दीपक बैज ने कहा कि, कांग्रेस का अस्तित्व मिटाने वाले खुद ही मिट जाएंगे। हमारे भगवान हमारे देवी देवता हैं। आदिवासी संस्कृति में उनकी पूजा होती है। मोदी बीजेपी के भगवान हो सकते हैं, लेकिन हमारे भगवान बूढ़ादेव हैं, क्या उनसे बड़ा भगवान वो नरेंद्र मोदी को मानते हैं। बीजेपी के नेताओं को आदिवासी समाज से माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस ने मंत्री को बताया चाटूकार: कांग्रेस ने मंत्री रामविचार नेताम को मोदी का चाटूकार बताया है। कांग्रेस ने कहा कि, राम विचार नेताम ने बूढ़ादेव के बजाए मोदी को भगवान बताकर आदिवासी समाज की आस्था पर चोट किया है। भाजपा को हमारी आस्था के साथ और हमारे देवी देवताओं से ऊपर अपने नेताओं को बताने का कोई अधिकार नहीं है।

अब जानिए मंत्री नेताम ने क्या कहा था: दरअसल, 15 नवंबर को रायपुर में जनजातीय गौरव दिवस पर कार्यक्रम का समापन था। इस दौरान आदिम जाति विभाग के मंत्री रामविचार नेताम ने कहा था कि, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंसान नहीं भगवान हैं। नरेंद्र मोदी आदिवासी समाज के लिए भगवान हैं। नरेंद्र मोदी ने अवतार लिया वो अवतारी पुरुष हैं।

नेताम ने कहा कि आज से पहले हमारी समस्या सुनने वाला कोई नेता पैदा नहीं हुआ था। धन्य है वसुंधरा, इस धारती पर अवतारी पुरुष हमारे देश के, हमारे आदिवासी समाज के

भगवान जैसे अवतार लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आए, वो हमारी इतनी चिंता कर रहे हैं।

मोदी ने जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए चिंता की: उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए चिंता की है। उन्होंने इस समुदाय के विकास के लिए कई योजनाएं संचालित की है।

प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से शुरू किए गए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से छत्तीसगढ़ के साढ़े 6 हजार गांवों और ग्रामीणों का समग्र विकास होगा।

चिरमिरी को नशामुक्त करने नशामुक्ति केंद्र स्थापित

एक साथ 15 लोगों को नशे की लत से दूर करने की बीड़ा उठाया शबरी सेवा समिति ने

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी निप्र। मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के चिरमिरी में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री व स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल के द्वारा नशा मुक्ति केंद्र का रिबन खोलकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि आज इस नशा मुक्ति केंद्र का शुभारंभ हो रहा है, जो नशे के आदि हैं उन लोगों को यहां लाकर उनका अच्छे से उपचार किया जाएगा और वे नशे से मुक्ति होंगे। नशा समाज के लिए बहुत बड़ी बुराई है हम तो चाहेंगे कि ऐसी नौबत ही ना आए कि नशा मुक्ति केंद्र में किसी को लाना पड़े, लेकिन इसके बावजूद कई ऐसे बड़े बुजुर्ग युवाओं में नशे की लत होती है और धीरे-धीरे उसमें सोचने समझने की क्षमता कम हो जाती है और घर परिवार के साथ ही आसपास का भी माहौल खराब होने लगता है। समाज में उस व्यक्ति को लोग दूसरे दृष्टि से देखने लगते हैं इसीलिए माननीय प्रधानमंत्री जी ने नशा मुक्ति केंद्र भारत सरकार के माध्यम से छत्तीसगढ़ में समाज कल्याण विभाग इसको संचालित कर रहा है और आज चिरमिरी में जिले का दूसरा नशामुक्ति केंद्र का शुभारंभ हुआ है।

ज्ञात हो कि चिरमिरि के गोदरीपारा में जिले का दूसरा नशामुक्ति केंद्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के हाथों संपन्न हुआ। इस नशामुक्ति केंद्र में 15 नशे से पीड़ित मरीजों का इलाज व नशे की लत से बाहर निकालने का काम किया जाएगा। शबरी सेवा संस्थान लखनपुर ने इस बीड़ा को उठाने की जिम्मेदारी ली है और यह समिति 1992 से प्रदेश के कई जिलों में अपनी सेवा दे रही है। शबरी सेवा समिति लखनपुर के सचिव सुरेंद्र साहू ने बताया कि केंद्र में 22 दिनों तक काउंसलिंग की जाती है और उसके बाद भी हम उस शख्स का मॉनिटरिंग करते रहते है। केंद्र में और कुछ भी प्रारंभ करने की सोच रहे है समाज कल्याण विभाग और सरकार इस दिशा में जैसा मार्गदर्शन करेगी हम आगे बढ़ेंगे।

विदित हो कि नशा मुक्ति केंद्र, जिसे पुनर्वास केंद्र भी कहा जाता है, नशे की लत से जूझ रहे लोगों को उनकी चुनौतियों से उबरने में मदद करता है. इन केंद्रों में मनोचिकित्सक और मनोवैज्ञानिक जैसे विशेषज्ञ होते हैं, जो मरीज़ की समस्याओं का आकलन करके उपचार योजना बनाते हैं. नशा मुक्ति केंद्र में इलाज के दौरान, मरीज़ को कई तरह की सुविधाएं मिलती हैं। जिससे नशा मुक्त होते हैं।

उक्त कार्यक्रम में शबरी सेवा समिति के पदाधिकारियों के अलावा मंत्री काफिला और स्थानीय निवासी, भाजपा के स्थानीय नेता मौजूद रहे।

हेड कॉन्स्टेबल शराब-तस्कर से मागा रिश्वत

बोला-50 हजार लगेगा, कागजात के 10 हजार अलग से चाहिए, बिलासपुर में पकड़ाई थी बाइक

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के एक प्रधान आरक्षक का रिश्वत मांगने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जब्त बाइक को राजसात नहीं करने के एवज में 50 हजार की डिमांड कर रहा है। इसके अलावा शराब तस्कर से दस्तावेज के लिए 5-10 हजार अलग से चाहिए कह रहा है। बताया जा रहा है कि, वीडियो करीब एक महीना पुराना है, लेकिन सोशल मीडिया पर 16 नवंबर को वायरल हुआ। वीडियो में बिल्हा थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक अनिल साहू है। वहीं वीडियो वायरल होते ही प्रधान आरक्षक को लाइन अटैच कर दिया गया है।

बातचीत करते युवक ने बनाया वीडियो: दरअसल, प्रधान आरक्षक शराब तस्करी में फंसे आरोपी की जमानत के लिए पेश आवेदन पर सुनवाई के दौरान डायरी में दस्तावेज पूरा करने के लिए पैसे मांग रहा है। प्रधान आरक्षक वायरल वीडियो में कह रहा है कि आरोपी (शराब तस्कर) ने पहले रुपए देने की बात कही थी, लेकिन वह आया नहीं। आगे प्रधान आरक्षक कह रहा है कि ऐसे में अब वह दस्तावेज तभी पूरा करेगा, जब उसे उसके मुताबिक रकम मिल जाएगी। नहीं मिलेगी तो नहीं करेगा। इस दौरान सामने खड़े शराब तस्कर ने वीडियो बना लिया। अब उस वीडियो को वायरल किया है।

70 प्रतिशत राशि देकर न्यायालय से छुड़ा लेना-आरक्षक: इसके अलावा प्रधान आरक्षक जब्त बाइक को राजसात नहीं करने के लिए 50 हजार की डिमांड करते सुनाई दे रहा है। वीडियो बनाने वाला कम राशि में ही वाहन छूट जाने की बात कहता है, तो प्रधान आरक्षक उसे नियमों की जानकारी देकर 70 प्रतिशत राशि का ड्राफ्ट न्यायालय में जमा करने की बात कहता है।

वीडियो वायरल होने पर प्रधान आरक्षक लाइन अटैच: बिलासपुर ग्रामीण एएसपी अर्चना झा का कहना है कि, प्रधान आरक्षक के रुपए की मांग करते हुए वायरल वीडियो की जानकारी मिली है।

रायपुर के कारोबारी से ठगी, राजस्थान से 5 आरोपी गिरफ्तार

दोस्त की प्रोफाइल फोटो वॉट्सऐप पर लगाकर की थी धोखाधड़ी,पैसा वापस मांगने पर खुला राज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के एक कारोबारी से दिल्ली में 5 लाख रुपए की ठगी हो गई है। कारोबारी के पास एक वॉट्सऐप कॉल आया जिसमें उसके दोस्त की फोटो लगी हुई थी। कॉलर ने दिल्ली में जरूरी काम के बहाने मदद के लिए 5 लाख रुपए मांगे, तो कारोबारी ने चांदनी चौक के पास एक परिचित को बोलकर कॉलर को कैश दिलवा दिए। बाद में जब दोस्त से पैसे वापस मांगे तब पूरे मामले का खुलासा हुआ।

इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के अलग-अलग जिलों से 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो आरोपी पहले भी ठगी के मामले में दिल्ली की जेल में बंद रह चुके हैं। सिविल लाइन थाने में सन्नी जुमनानी ने शिकायत दर्ज कराई थी।

उसने पुलिस को बताया कि, वो सोलर पैनल का काम करता है। पुनीत पारवानी उसके भाई बंटी का दोस्त है।

8 नवंबर को बंटी के मोबाइल नंबर पर वॉट्सऐप कॉल आया। कॉल में पुनीत परवानी की डीपी लगी हुई थी। कॉलर ने खुद को पुनीत परवानी बताते हुए दिल्ली में जरूरी काम के लिए 5 लाख रुपए मांगे।

दोस्त से दिलवाए रुपए: इसके बाद सनी ने अपने एक दिल्ली के दोस्त से संपर्क कर 5 लाख रुपए पुनीत को देने की बात कही। सनी के दोस्त ने चांदनी चौक के पास 5 लाख रुपए नगद एक व्यक्ति को दे दिया। दो-तीन दिनों बाद जब सनी ने पुनीत से पैसे वापस मांगे तो पुनीत ने कहा कि, उसे कोई भी पैसे नहीं मिले हैं। इसके बाद धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। किसी ने फेक डीपी लगाकर पैसे वसूल कर लिए।

तकनीकी जांच में फंसे आरोपी: इस मामले में जांच करते हुए एंटी क्राइम यूनिट की टीम को राजस्थान रवाना किया गया। जिस नंबर से फोन आया था पुलिस ने तकनीकी जांच करते हुए सुरेश पुरोहित और वैभव जैन को पकड़ा। इन दो आरोपियों ने खानू खान, स्वरूप सिंह और हैदर के साथ मिलकर ठगी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से 20 लाख रुपए नगद और 8 मोबाइल फोन जब्त किया है। इनमें से सुरेश और स्वरूप दिल्ली की जेल में ठगी के मामले में अरेस्ट हो चुके हैं।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में संस्कृति कक्ष का हुआ उद्घाटन

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी निप्र। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल ने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय चिरमिरी में छत्तीसगढ़ संस्कृति कक्ष का उद्घाटन किया । इस छत्तीसगढ़ संस्कृति कक्ष में विधार्थियों ने छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति , खानपान, धरोहर , विरासत , ऐतिहासिक स्थल , राजनैतिक इतिहास , नृत्य , त्यौहार आदि अनेक अमूल्य दर्शन सजाया गया है जो ज्ञान वर्धक एवम बेहद उपयोगी है मंत्री ने कक्ष का अवलोकन करने के पश्चात विधार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में छत्तीसगढ़ के धरोहर को संरक्षित रखने के पहल की खूब सराहना किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति को संरक्षित और प्रसारित करना हमारी जिम्मेदारी है।

विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ की संस्कृति के बारे में जानने और समझने का अवसर प्रदान करने के लिए यह कक्ष एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्था के प्राचार्य डॉ0 डी0 के उपाध्याय ने मंत्री काशाल, फल से सम्मान किया ।मंत्री जी द्वारा विधालय के लाइब्रेरी , प्रयोग शाला कक्ष , कम्प्यूटर लैब , हाउस बोर्ड डेकोरेशन , आदि सम्पूर्ण विधालय का निरीक्षण किया कर समस्त क्रियाकलापों का अवलोकन किया । इस अवसर जिला शिक्षा अधिकारी एम सी बी अजय मिश्रा भी उपस्थित थे ।संस्था की छात्राएं कृति खटकर , स्वाती गुप्ता द्वारा मंत्री जी को उनके स्केच छाया चित्र भेंट किए । कार्यक्रम में इदू पानेरिया अध्यक्ष एस एम डी सी , संतोष सिंह नेता प्रतिपक्ष नगर पालिक निगम चिरमिरी , संदीप सोनवानी पार्षद , भाजपा के वरिष्ठ नेतागण , टुक्केश्वर पटेल प्रधान पाठक शिक्षकगण, विद्यार्थी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समस्त कार्यक्रम का संचालन इश्मीत कौर कोहली प्रधान पाठक ने किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में बीएड छात्र का मिला शव, लॉज में किराए से रहता था, तीन दिन से लापता था छात्र

मीडिया ऑडीटर, मनेंद्रगढ़ निप्र। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़ में बीएड के छात्र का संदिग्ध परिस्थितियों में लॉज के पास शव मिला है। छात्र तीन दिनों से लापता था। शव जहां मिला है, वहां पास के लॉज में वो किराए पर रहता था। छात्र के सिर और गर्दन में चोट के निशान हैं। खून घटनास्थल पर फैला मिला है। एमसीबी पुलिस हत्या, आत्महत्या या हादसा, सभी एंगल से मामले की जांच कर रही हैं। घटना कोतवाली मनेंद्रगढ़ थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, मनेंद्रगढ़ में जैन धर्मशाला के पास स्थित एक लॉज के पीछे झाड़ियों के पास रविवार सुबह लोगों ने युवक का शव

पड़ा देखा। सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई।

सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। छात्र के शव की शिनाख्त सौरभ कुजुर (24) निवासी अंबिकापुर के रूप में हुई है। सौरभ तीन दिनों से लापता था। वो मनेंद्रगढ़ में रहकर आरएनएस बीएड कॉलेज में पढ़ रहा था।

हादसा या हत्या, सभी एंगल से जांच: सौरभ के गुमशुदगी की सूचना भी थाने में दी गई थी। शव मिलने की सूचना पर एमसीबी एसपी चंद्र मोहन सिंह और फारेंसिक

एक्सपर्ट भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा किया। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। शव दो से तीन दिन पुराना बताया गया है। शव से बदबू भी आने लगी है।

छात्र सौरभ का जहां शव मिला है, वहां कुछ दूर पर खून के निशान हैं। उसके सिर और गले पर चोट के निशान मिले हैं। एसपी चंद्र मोहन सिंह ने कहा कि, सभी एंगल पर पुलिस जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में छात्र की मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

सीसी कैमरों की भी जांच, की जा रही थी खोजबीन: छात्र सौरभ तीन दिनों से लापता था। उसके सभी सामान लॉज में मिले हैं। उसकी खोजबीन की जा रही थी। उसका पता नहीं चल पा रहा था। फोन से भी संपर्क नहीं हो पाया तो गुमशुदगी की सूचना मनेंद्रगढ़ थाने में दी गई थी। पुलिस जैन धर्मशाला में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की भी जांच कर रही है।

प्रॉपर्टी रजिस्ट्री का नया नियम लागू, ज्यादा रेट पर सौदा होने पर भी गाइडलाइन दर पर ही शुल्क

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ सरकार ने संपत्ति खरीदने पर लगने वाले रजिस्ट्री शुल्क को लेकर नया नियम जारी किया है। अब किसी भी प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री में गाइडलाइन दर से सौदे की रकम अधिक होने पर भी रजिस्ट्री शुल्क गाइडलाइन दर के हिसाब से ही लिया जाएगा। सरकार का दावा है कि इससे बैंक लोन पर निर्भर मध्यम वर्गीय परिवार को वास्तविक मूल्य के आधार पर कर्ज मिल सकेगा।

सीएम वष्णुदेव साय की अध्यक्षता में पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक में ये फैसला लिया गया था। पिछले नियम के मुताबिक संपत्ति की खरीद-बिक्री में गाइडलाइन दर और सौदे की राशि में जो भी अधिक होता था, उस पर रजिस्ट्री शुल्क देना अनिवार्य था।

क्यों बदला गया नियम: वित्त

मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि इस संशोधन से मध्यम वर्गीय परिवारों को वास्तविक मूल्य के आधार पर अधिक बैंक लोग लेने में सहूलियत होगी। इससे वास्तविक मूल्य दर्शाने का ट्रेंड बढ़ेगा। देश के बाकी राज्यों में जमीन की गाइडलाइन कीमत या सौदा मूल्य दोनों में से जो ज्यादा हो उस पर पंजीयन शुल्क लगता है।

केवल मध्य प्रदेश में गाइडलाइन कीमत से अधिक सौदा मूल्य दिखाने पर पंजीयन शुल्क में छूट दी गई है। इसके कारण वहां लोगों में वास्तविक सौदा मूल्य को रजिस्ट्री पेपर में लिखने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इस वजह से छत्तीसगढ़ में भी ये सिस्टम लागू किया जा रहा है।

अभी क्या चल रहा है: इन दिनों किसी संपत्ति का सौदा गाइडलाइन रेट से बहुत ज्यादा दर पर होता है, लेकिन लोग गाइडलाइन मूल्य या इसके आसपास का ही सौदा डॉक्यूमेंट में लिखते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि अगर वास्तविक सौदा दिखाया जाएगा तो रजिस्ट्री रेट गाइडलाइन या वास्तविक सौदा राशि दोनों में से जो ज्यादा हो उस पर लगेगा। ऐसे में पंजीयन शुल्क से बचने के लिए लोग गाइडलाइन कीमत या इसके आसपास रेट डालकर बाकी का लेन-देन अलग करते हैं।

लोग ये चालाकी करते हैं: सरकार ने ये नियम तो बता दिया मगर अब भी लोग ये कर सकते हैं कि जिस बढ़े हुए रेट में डील हुई उसे डॉक्यूमेंट में न लिखकर गाइडलाइन रेट ही लिखेंगे। क्योंकि अगर लोग बढ़ा रेट लिखकर प्रॉपर्टी में डील करेंगे तो इनकम टैक्स का बोझ आएगा। इससे बचने के लिए लोग कागज पर कम रकम ही लिख सकते हैं।

तो फिर फायदा किसे?

मध्यमवर्गीय परिवारों को इस नए नियम का कुछ फायदा मिल सकता है।

वो कैसे आपको बताते हैं-

बैंक लोन रजिस्ट्री पेपर में दिखाए गए सौदे के रकम के आधार पर मिलता है और मध्यमवर्गीय परिवार संपत्ति खरीदने के लिए बैंक लोन पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में कम सौदा कीमत दिखाए जाने से बैंक लोन भी कम मिलता है। सही रेट लिखने पर ज्यादा लोन भी मिल सकता है।

अगर कभी संपत्ति में कुछ धोखाधड़ी पायी गई तो व्यक्ति विक्रेता से वही मुआवजा पाने का हकदार होता है, जो रजिस्ट्री पेपर में लिखा हुआ। संपत्ति का सही मूल्य रजिस्ट्री में अंकित होने से प्रभावित व्यक्ति को उसका सही मुआवजा भी मिल सकेगा।

भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा चिरमिरी से रायपुर की रेलगाड़ी पुनः चालू करवाने की मांग

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी निप्र। स्वास्थ्य मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्याम बिहारी जायसवाल जी के निवास पर भाजपा चिरमिरी मंडल के समस्त कार्यकर्ताओं के द्वारा चिरमिरी में व्याप्त रेल समस्याओं से अवगत कराया कोरोना कॉल के समय से चिरमिरी दुर्ग ट्रेन बंद है लेकिन कोरोना काल के समय सभी ट्रेन चालू हो चुकी है। सिर्फ चिरमिरी की ट्रेन पर ही क्वॉरेंटाइन का ग्रहण लगा हुआ है। चिरमिरी शहर नगर निगम शहर है, लाखों की आबादी है फिर भी इतनी बड़ी समस्या से शासन अनजान है। आमजन परेशान स्वास्थ्य मंत्री जी से आशा और विश्वास है कि जल्द से जल्द चिरमिरी वासियों की यह मांग पूरी की जाएगी इस कार्यक्रम के अगुवाई भाजपा पूर्व ओबीसी मोर्चा चिरमिरी मंडल के अध्यक्ष अनिरुद्ध प्रजापति के नेतृत्व में की गई इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हसीना भाजपा चिरमिरी मंडल के पूर्व अध्यक्ष रघुनंदन यादव जी वर्तमान महामंत्री सत्यनारायण सिंह जी जिला एमसी के युवा मोर्चा के अध्यक्ष सुशील सिंह लेदर ए के अध्यक्ष व पार्षद पी मनी जी खडगांव की अध्यक्ष श्री सोनमती पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष पुरुषोत्तम सोनकर परेश कुमार शर्मा याकूब अंसारी उमेश टार्जन प्रकाश शुक्ला अविनाश विश्वकर्मा कर फार्मर मोती प्रधान भगवान यादव कांति यादव सरिता प्रजापति बबलू दे दे पूर्णिमा आदि सैकड़ो कार्यकर्ताओं का सहयोग प्रदान हुआ आशा और विश्वास है कि जल्द से जल्द चिरमिरी दुर्ग ट्रेन अंबिकापुर दुर्ग में तीन डब्बे जोड़ी जाए ताकि चिरमिरी निवासियों को रायपुर जाने हेतु रेलसुविधा सुचारू रूप से प्राप्त हो सके।

पीएम ने गोधरा-कांड पर बनी फिल्म की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गोधरा कांड पर बनी फिल्म साबरमती रिपोर्ट की तारीफ की। उन्होंने एक यूजर की साबरमती रिपोर्ट पर की गई पोस्ट को एक्स पर रीट्वीट करके लिखा- यह अच्छी बात है कि सच सामने आ रहा है, वो भी इस तरह से कि आम जनता भी इसे देख सके। झूठी धारणा सिर्फ कुछ वक्त कायम रह सकती है, हालांकि तथ्य सामने आता ही है। फिल्म साबरमती रिपोर्ट 2 दिन पहले 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म में विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म करने के बाद एक्टर विक्रांत मेसी ने कहा था कि उन्हें धमकियां मिल रही हैं। पीएम मोदी ने जो पोस्ट रीट्वीट की है, वो एक जर्नलिस्ट की है। उसमें फिल्म को लेकर कहा गया है कि यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। हमारे इतिहास की सबसे शर्मनाक घटना का सच यह फिल्म सामने लाती है। इसे बनाते वक्त निर्माताओं ने सम्मान और संवेदनशीलता का बहुत ध्यान रखा है। इस फिल्म ने दिखाया कि कुछ राजनीतिज्ञों ने ट्रेन में पैसेंजर्स को जलाए जाने की घटना का इस्तेमाल कैसे एक लीडर की छवि खराब करने के लिए किया।

झांसी अग्निकांड- एक और नवजात की मौत

झांसी (एजेंसी)। झांसी अग्निकांड में एक और नवजात की मौत हो गई है। इस बच्चे को अग्निकांड के दौरान वार्ड से रेस्क्यू किया गया था। अब तक मरने वाले बच्चों की संख्या 11 हो गई है। हालांकि डीएम अविनाश कुमार ने कहा- नवजात की मौत बीमारी की वजह से हुई है। वह जला नहीं थी। इधर, अग्निकांड की पहली जांच रिपोर्ट अब 12 घंटे में नहीं आएगी। सरकार ने जांच के बीच ही कमेटी बदल दी। पहले जांच की जिम्मेदारी झांसी के मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे को दी गई थी। अब चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की महानिदेशक किंजल सिंह को जांच सौंपी गई है। मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे ने भास्कर को बताया- उनकी अध्यक्षता में गठित जांच कमेटी रिपोर्ट नहीं देगी। उन्होंने शनिवार को पीड़ित परिवारों और हॉस्पिटल स्टाफ के बयान दर्ज किए थे। हालांकि कमेटी क्यों बदली? इसे लेकर सरकार ने कोई जानकारी नहीं दी है। शनिवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 3 स्तर पर जांच के निर्देश दिए थे। अब तीनों जांच के बाद ही पता चलेगा कि अग्निकांड का जिम्मेदार कौन है? शुक्रवार रात महारानी लक्ष्मीबाई सरकारी मेडिकल कॉलेज में स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट में भीषण आग लग गई थी। हादसे में 10 बच्चों की मौत हो गई। शनिवार शाम को 10 बच्चों का 2-2 डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमॉर्टम किया। सभी बच्चे 80 फीसदी से अधिक जल गए थे। हड्डियां तक निकल आई थीं। सभी के डीएनए सैंपल भी लिए गए। 20 घंटे से लापता 8 बच्चों में से 7 मिल गए हैं। सिर्फ 1 बच्चा अभी तक नहीं मिल पाया है। शुक्रवार रात करीब साढ़े 10 बजे ऑक्सीजन कंसंट्रेटर में स्पार्किंग के चलते आग लगी, फिर धमाका हो गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली से वर्चुअली देवास में किया सिंथेटिक एथेलेटिक ट्रैक का भूमि-पूजन

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में खेल अधोसंरचना का निरंतर विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में इस दिशा में जिस प्रकार कार्य जारी है, उससे प्रदेश के खिलाड़ी विक्रम अवार्ड प्राप्त करने के साथ-साथ एशियाड और ओलंपिक में अवार्ड प्राप्त करने की ओर भी अग्रसर हो रहे हैं। देवास में कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम और श्रीमंत तुकोजीराव पवार स्टेडियम से कई प्रतिभावान खिलाड़ी प्रदेश व देश को मिले हैं। श्रीमंत तुकोजीराव पवार की जयंती पर देवास

को मिल रही सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की सौगात से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने के अधिक अवसर प्राप्त होंगे। देवास में खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम देवास में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के भूमि पूजन कार्यक्रम को नई दिल्ली से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवास, उज्जैन धार और इंदौर को जोड़ते हुए क्षेत्र को वृहद महानगर के रूप में विकसित किया जा रहा है।

वोटिंग से पहले शिंदे बोले-सीएम की रेस में नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में वोटिंग से 2 दिन पहले सीएम एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि वो सीएम पद की रेस में नहीं हैं। आजतक से बातचीत में उन्होंने कहा कि ये भी तय है कि सीएम महायुति का ही होगा। एक दिन पहले ही महाराष्ट्र के डिप्टी ष्टरूदेवेंद्र फडणवीस ने यही बात कही थी। सीएम शिंदे ने आजतक से कहा- कांग्रेस की नीति फूट डालो राज करो की है।

राहुल गांधी, बाला साहेब ठाकरे को हिंदू हृदय सम्राट कब कहेंगे? शिंदे ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे कहते थे कि मैं अपनी पार्टी को कभी भी कांग्रेस नहीं बनने दूंगा, लेकिन उद्धव

ठाकरे खुद के स्वार्थ और मुख्यमंत्री बनने के लिए कांग्रेस के साथ चले गए। शिंदे ने पीएम मोदी के एक हैं तो सेफ हैं नारे का भी समर्थन किया। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों के लिए सिंगल फेज में 20 नवंबर वोटिंग होगी। 23 नवंबर को इसका रिजल्ट आएगा।

फडणवीस ने कहा था- बंटेंगे तो कटेंगे नारा समझने में अजित को थोड़ा वक्त लगेगा फडणवीस ने 16 नवंबर को, दिए इंटरव्यू में कहा था कि एनसीपी चीफ शरद पवार परिवार और पार्टी तोड़ने के मामले में महारथी हैं। एनसीपी और शिवसेना अपनी अति महत्वाकांक्षाओं के कारण टूटीं। उद्धव ष्टरू बनना चाहते थे, इसलिए उन्होंने हमसे नाता तोड़ लिया। मुख्यमंत्री बनने के बाद वे आदित्य ठाकरे को आगे लाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने एकनाथ शिंदे को सफोकेट करने की कोशिश की।

भारत ने डिफेंस सेक्टर में फिर दिखाया दम, हाइपरसोनिक मिसाइल का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने डिफेंस सेक्टर में अपना दम दिखाया है। भारत ने पहली बार लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया है। यह देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि हासिल है। यह परीक्षण ओडिशा के तट से दूर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह जानकारी दी। यह भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि ने हमारे देश को ऐसे चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है जिनके पास ऐसी महत्वपूर्ण और एडवांस सैन्य तकनीकों की क्षमता है। रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ और सशस्त्र बलों को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के तट पर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया। डीआरडीओ की तरफ से टेस्ट की गई हाइपरसोनिक मिसाइल को भारतीय सशस्त्र बलों की सभी सेवाओं के लिए 1500 किलोमीटर से अधिक की दूरी के लिए विभिन्न पेलोड ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर बधाई दी।

दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने आप छोड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। कैलाश गहलोत ने रविवार सुबह आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर इस्तीफे का ऐलान किया। गहलोत ने केजरीवाल को लिखे लेटर में यमुना की सफाई के मुद्दे को लेकर आप की आलोचना की। उन्होंने कहा- आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार से लड़ाई करने में बहुत वक्त बर्बाद किया। पार्टी ने जनता से किए वादे पूरे नहीं किए। दिल्ली की सीएम आतिशी ने गहलोत का इस्तीफा स्वीकार करते हुए कहा- ये भाजपा का गंदा षड्यंत्र है। भाजपा दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव ईडी और सीबीआई के बल पर जीतना चाहती है। आप नेता संजय सिंह ने कहा- दिल्ली चुनाव से पहले मोदी वॉशिंग मशीन सक्रिय हो गई है। अब कई नेता इस मशीन के जरिए भाजपा में शामिल किए जाएंगे। कैलाश गहलोत ने 2015 में आम आदमी पार्टी जॉइन की थी। वे 2017 में कैबिनेट मंत्री बने। पेशे से वकील कैलाश गहलोत ने राजनीति में आने से पहले 10 साल तक सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में कई बड़े केस लड़े। मैं आपको बताना चाहता हूं कि आज आम आदमी पार्टी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। पार्टी के सामने उन्हीं मूल्यों की चुनौतियां हैं जो हम आप में एक साथ लेकर आए थे। राजनीतिक महत्वाकांक्षा लोगों के प्रति प्रतिबद्धता से आगे निकल गई है और कई वादे अधूरे रह गए हैं। हमने यमुना को स्वच्छ नदी बनाने का वादा किया था, लेकिन हम ऐसा कभी नहीं कर पाए। अब यमुना नदी पहले से भी अधिक प्रदूषित हो गई है। लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने के बजाय हम केवल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रहे हैं।

अमृतसर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हंगामा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार देर रात यात्रियों ने हंगामा कर दिया। दरअसल, फ्लाइट आईएक्स-191 रात 12 बजे कैंसिल हो गई थी। यह फ्लाइट अमृतसर से दुबई जाने वाली थी। इस फ्लाइट में यात्री करीब 6 घंटे तक उड़ान भरने के इंतजार में बैठे रहे। फ्लाइट कैंसिल होने की जानकारी मिलते ही यात्री भड़क गए। एयरलाइन के पास माफी मांगने के अलावा कोई जवाब नहीं था। एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या आईएक्स-191 को शनिवार शाम करीब 7 बजे अमृतसर एयरपोर्ट से उड़ान भरनी थी। यात्री तय समय पर एयरपोर्ट पहुंचे और अपना चेक-इन भी कराया।

अमरावती में नवनीत राणा पर भीड़ का हमला

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती से पूर्व सांसद और भाजपा नेता नवनीत राणा पर 16 नवंबर की रात करीब 10 बजे हमला हुआ। अमरावती की पूर्व सांसद नवनीत दरियापुर निर्वाचन क्षेत्र के खल्लर गांव में भाजपा उम्मीदवार रमेश बुंदिले के लिए वोट मांगने पहुंची थीं। भीड़ ने वहां कुर्सियां फेंकी और अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगाए और हंगामा किया। नवनीत ने कहा- हम खल्लर में शांतिपूर्ण तरीके से प्रचार कर रहे थे। मेरे भाषण के दौरान कुछ लोगों ने अभद्र इशारे किए। नवनीत ने कहा कि हमले में पार्टी के कई लोग घायल हुए। मुझ पर थूका गया, जो एक सुरक्षाकर्मी की वर्दी पर गिरा। सुरक्षाकर्मियों ने मुझे बचाया। हमने शिकायत दर्ज कराई है। अगर जल्द ही किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया तो अमरावती का पूरा हिंदू समुदाय यहां इकट्ठा होगा। अमरावती ग्रामीण एसपी विशाल आनंद ने कहा कि इस मामले में 45 लोगों के खिलाफ दंगा, हत्या के प्रयास और भारतीय न्याय संहिता और एससी-सीटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। 3 लोगों को हिरासत में हैं। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे हमलावरों की पहचान

की जा रही है नवनीत राणा बोलीं- मुझे चोट पहुंचाने की कोशिश हुई नवनीत राणा ने रविवार को कहा- भाषण देने के बाद मैं वहां आए दिव्यांग लोगों से मिलने के लिए मंच से नीचे उतरी थी। तभी हमलावरों ने धार्मिक नारे लगाए गए। मैंने उन्हें शांत करने की कोशिश की।

पीएम मोदी बोले- नाइजीरिया के साथ रणनीतिक साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देता है भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टिनुबू के साथ वार्ता के दौरान कहा कि भारत, नाइजीरिया के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देता है और वह रक्षा, ऊर्जा व व्यापार समेत विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में काम करेगा। बैठक में टेलीविजन पर अपने उद्घाटन भाषण में मोदी ने

आतंकवाद, अलगाववाद, समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी को प्रमुख चुनौतियां बताया और कहा कि दोनों देश इनसे निपटने के लिए साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। मोदी रविवार सुबह अबुजा पहुंचे। यह 17 वर्षों के अंतराल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नाइजीरिया की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम नाइजीरिया के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देते हैं...मुझे विश्वास है कि हमारी वार्ता के बाद हमारे संबंधों में एक नया अध्याय शुरू होगा।

राहुल गांधी के बाद शरद पवार के बैग की चेकिंग

बारामती (एजेंसी)। महाराष्ट्र में वोटिंग से 3 दिन पहले नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के चीफ शरद पवार के हेलिकॉप्टर और बैग की चेकिंग की गई है। शरद बारामती से सोलापुर में प्रचार के लिए जा रहे थे। इसी दौरान हेलिपैड पर चुनाव आयोग के अधिकारी पहुंचे। इसका वीडियो भी जारी किया गया है।

वीडियो में अधिकारी हेलिकॉप्टर से शरद पवार का बैग बाहर निकालते और उसमें रखे सामान की जांच करते नजर आ रहे हैं। चेकिंग के दौरान शरद पवार भी हेलिकॉप्टर के बाहर ही खड़े नजर आए। चेकिंग के बाद वे सोलापुर में रैली के लिए निकल गए। चुनाव आयोग ने पिछले कुछ दिनों में 11 बड़े नेताओं की बैग की चेकिंग की है।

भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक घटनाओं से होने वाले किसी भी तरह के प्रभाव को संभालने में सक्षमः आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शनिवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र किसी भी प्रकार के वैश्विक घटनाओं से होने वाले प्रभावों को संभालने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। देश का बाहरी क्षेत्र भी मजबूत है और हमारा चालू खाता घाटा नियंत्रित सीमा के भीतर बना हुआ है, जो कि 1.1 प्रतिशत पर है। शक्तिकांत दास ने एक कार्यक्रम में यह बात कही, जो कोच्चि इंटरनेशनल फाउंडेशन के लॉन्च के अवसर पर आयोजित हुआ था। भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास आज स्थिरता और ताकत की तस्वीर प्रस्तुत करता है। 2010 और 2011 में यह विकास दर 6 से 7 प्रतिशत के बीच थी। विदेशी मुद्रा भंडार पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के पास लगभग 675 अरब अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है, जो दुनिया में सबसे बड़े भंडारों में से एक है। मुद्रास्फीति उम्मीद के मुताबिक मापदंडों में रहेगी, हालांकि इसमें कुछ उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। अक्टूबर में भारत की मुद्रास्फीति 6.2 प्रतिशत पर पहुंच गई थी।

हमारी अलग-अलग पार्टी है, जरूरी नहीं कि हमारी एक ही राय हो-नितिन गडकरी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि किसी को भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए और महाराष्ट्र के लोग 20 नवंबर को राज्य विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति गठबंधन में फिर से विश्वास जताएंगे। गडकरी ने एक साक्षात्कार में कहा, ''जिस तरह से राहुल गांधी बोलते हैं, कोई भी उन्हें गंभीरता से नहीं लेता...मुझे लगता है कि लोगों को उनकी टिप्पणियों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। ''अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी याददाश्त कमजोर होने संबंधी राहुल गांधी के आरोपों पर गडकरी ने कहा कि कांग्रेस नेता गैर-जिम्मेदाराना बात करते हैं। लोकसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद महायुति गठबंधन की चुनौतियों के बारे

में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष ने लोकसभा चुनाव के दौरान बड़े पैमाने पर मतदाताओं को गुमराह किया था। उन्होंने कहा, ''यह विमर्श गढ़ा गया था कि अगर हम 400 से अधिक सीट जीत जाएंगे तो हम बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा लिखा संविधान बदल देंगे। उन्होंने कहा, ''संविधान बदलने का सवाल ही नहीं उठता। न तो हम इसे करेंगे और न ही दूसरों को करने देंगे। गडकरी ने कहा, ''अब लोगों को एहसास हो गया है कि लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष का प्रचार अभियान झूठ पर आधारित था और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महाराष्ट्र में सकारात्मकता के साथ महायुति का समर्थन करने का फैसला लिया है। भाजपा द्वारा विकास की राजनीति की बात करने लेकिन उसके नेताओं के 'बंटेंगे तो कटेंगे जैसे नारे लगाने के बारे में वरिष्ठ नेता ने कहा, ''हम विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे हैं। हम सब एक हैं। कोई मंदिर जाता है, कोई मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च जाता है। लेकिन हम सब भारतीय हैं और हमारे लिए सबसे ऊपर देश है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'बंटेंगे तो कटेंगे% टिप्पणी का विरोध किये जाने के बारे में पूछे जाने पर गडकरी ने कहा, ''सबसे पहले तो हमारी अलग-अलग पार्टी है और यह जरूरी नहीं कि हमारी एक ही राय हो।

मणिपुर हिंसा-राज्य सरकार ने केंद्र से एफएसपीए हटाने को कहा

इंफाल/आइजोल (एजेंसी)। मणिपुर में 3 महिला और 3 बच्चों के शव मिलने के बाद हिंसक प्रदर्शन जारी हैं। इसके मद्देनजर गृह मंत्री अमित शाह नागपुर की चार रैलियां रद्द कर दिल्ली लौट आए हैं। वे राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग करेंगे।

वहीं, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल प्रमुख अनीश दयाल को हालात का जायजा लेने के लिए भेजा जा रहा है। इसी बीच राज्य सरकार ने केंद्र से सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम वापस लेने को कहा है। हिंसा के कारण केंद्र सरकार ने 14 नवंबर को इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, जिरीबाम, कांगपोकपी और बिश्नुपुर जिलों के सेकमाई, लामसांग, लामलाई, जिरीबाम, लीमाखोंग और मोइरांग पुलिस थाना इलाकों में एफएसपीए लगाया था। 16 नवंबर को सीएम एन बीरेन सिंह और 10 विधायकों के घरों पर हमले हुए।

हालात बिगड़ते देख 5 जिलों में कर्फ्यू और 7 जिलों में इंटरनेट सर्विस बंद है। इस बीच, कुछ मंत्रियों सहित भाजपा के 19 विधायकों ने बीरेन सिंह को हटाने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखा है। सूत्रों के अनुसार अगले दो-तीन दिन में हालात और बिगड़े तो प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लग सकता है।

16 नवंबर को जिरिबाम में बराक नदी के तट से दो महिलाओं और एक बच्चे का शव मिला था। शक है कि इन्हें 11 नवंबर को कुकी उग्रवादियों ने जिरीबाम से अपहृत किया था। 11 नवंबर को ही सुरक्षाबलों ने 10 बंदूकधारी उग्रवादियों को मार डाला था। जबकि कुकी-जो संगठन ने इन 10 लोगों को विलेज गार्ड बताया था। 15 नवंबर की रात भी एक महिला और दो बच्चों के शव मिले थे।

संजू सैमसन के पिता ने लगाए धोनी, रोहित, विराट और द्रविड़ पर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ओपनर संजू सैमसन ने साउथ अफ्रीका में चार मैचों की टी20 सीरीज में दो शतक जमाकर हंगामा मचा दिया। इससे पहले उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ घर पर भी टी20 सेंचुरी जमाई थी। वह एक साल में तीन टी20 शतक बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं कुछ दिन पहले संजू के पिता विश्वनाथ सैमसन ने महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ पर संजू का करियर खराब करने का आरोप लगाया था। अब इसे लेकर पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने शानदार जवाब दिया है।

आकाश ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, संजू सैमसन के पिता ने कुछ बोल दिया है। ये वाकई में काफी मजेदार है क्योंकि उन्होंने कोहली, रोहित, द्रविड़ और धोनी सबके नाम के साथ जी लगाया और कहा कि सबने मिलकर मेरे बेटे के करियर के 10 साल बर्बाद किए हैं। मैं ये सोच रहा हूं कि क्या इसकी जरुरत भी थी।

आगे उन्होंने कहा कि, ईमानदारी से कहूं तो मैं एक पिता हूं और इस नाते कह सकता हूं कि पिता जो हैं वो पक्षपाती होते हैं। हमें अपने बच्चे सबसे प्यारे लगते हैं उनमें कितने भी खोट हो हमें नहीं दिखते हैं। ऐसा ही मेरे पिता के लिए भी है जब वो मुझे देखते होंगे तो यही सोचते होंगे कि आकाश के साथ बहुत गलत हुआ और मौका मिलना चाहिए था।

मैकग्रा ने ऑस्ट्रेलिया को 'भावनात्मक' कोहली के खिलाफ 'कड़ा रुख' अपनाने को कहा

मेलबर्न (एजेंसी)। दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के पास 'भावनात्मक' विराट कोहली को निशाना बनाने की 'क्षमता' है और यह स्टार बल्लेबाज अगर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की खराब शुरुआत करता है तो 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली श्रृंखला में दबाव में आ जाएगा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली चार टेस्ट श्रृंखला जीती हैं जिनमें से दो ऑस्ट्रेलिया में खेली गई। टीम इंडिया को हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट की श्रृंखला से पूर्व पिछली श्रृंखला में स्वदेश में न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 से क्लीनस्वीप का सामना करना पड़ा। फॉक्स क्रिकेट ने 'कोड स्पोर्ट्स' पर मैकग्रा के हवाले से कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 की हार के बाद, आपके पास खुद को साबित करने के लिए बहुत क्षमता है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए उन पर दबाव डालें और देखें कि वे इसके लिए तैयार हैं या नहीं।'' एक दशक से अधिक समय से भारत की बल्लेबाजी के मुख्य आधार रहे कोहली पिछले कुछ समय से टेस्ट क्रिकेट में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस साल उन्होंने जो छह मैच खेले हैं उनमें उनका औसत मात्र 22.72 रहा है। चोटिल शुभमन गिल पहले टेस्ट से बाहर हैं और कप्तान रोहित शर्मा का खेलना भी संदिग्ध है और ऐसे में कोहली बल्लेबाजी क्रम का नेतृत्व करने का दबाव महसूस करेंगे। हालांकि 36 वर्षीय कोहली ऑस्ट्रेलिया में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के चार दौरों में 54.08 के प्रभावशाली औसत से रन बनाए हैं। मैकग्रा ने चेतावनी दी कि कोहली को आक्रामक तरीके से निशाना बनाने से यह स्टार बल्लेबाज भी उत्साहित हो सकता है विशेषकर अगर वह अपनी भावनाओं को काबू में रखने में कामयाब रहता है तो। ऑस्ट्रेलिया के लिए 1993 से 2007 के बीच 124 मैच में 563 टेस्ट विकेट लेने वाले 54 वर्षीय मैकग्रा ने कहा, ''मुझे लगता है कि वह थोड़ा दबाव में है और अगर वह शुरू में कुछ कम स्कोर करता है तो वह वास्तव में इसे महसूस करेगा। मुझे लगता है कि वह काफी भावनात्मक खिलाड़ी है।

आईपीएल में 7.50 करोड़ पाने वाले स्टार क्रिकेटर के आए बुरे दिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन के लिए 1574 खिलाड़ियों ने अपना नाम ड्राफ्ट किया था, लेकिन फ्रेंचाइजियों ने मिलकर 574 प्लेयर्स को शॉर्टलिस्ट किया है. इस बार नीलामी में कई बड़े नाम आ रहे हैं, जिससे टीमों के पास ऑप्शंस की कमी नहीं रहने वाली है. ऐसे में नीलामी में कई ऐसे खिलाड़ी अनसोल्ड रहने वाले हैं, जो कभी टीमों की रिटेंशन लिस्ट का हिस्सा हुआ करते थे. आज हम आपको एक ऐसे ही सलामी बल्लेबाज के बारे में बताने वाले हैं, जिसे पिछले सीजन तक सैलरी में 7.50 करोड़ रुपये मिलते थे, लेकिन अब उन्हें खरीददार मिलना भी मुश्किल है। दिल्ली कैपिटल्स ने अपने सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को रिलीज कर नीलामी में भेज दिया है. शॉ 2018 से आईपीएल का हिस्सा हैं और वह 6 सालों से दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेले हैं. आईपीएल 2022 मेगा ऑक्शन में दिल्ली ने 7.5 करोड़ रुपये के साथ शॉ को रिटेन किया था, क्योंकि वह उनकी कोर टीम का हिस्सा थे. लेकिन, अब वक्त के साथ चीजें बदलीं और अब दिल्ली ने उन्हें ऑक्शन में भेज दिया है. आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में कई बड़े खिलाड़ी उतर रहे हैं, जिसकी वजह से फ्रेंचाइजियों के पास ऑप्शंस की कमी नहीं रहने वाली है. इसी वजह से कई ऐसे खिलाड़ी अनसोल्ड रह जाएंगे, जिन्होंने हाल फिलहाल में छाप छोड़ने वाला प्रदर्शन नहीं किया है।

अश्विन के खिलाफ सक्रिय रहने की जरूरत, उन्हें लय हासिल करने का मौका नहीं देना होगा-स्मिथ

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 2020-21 श्रृंखला के दौरान भारतीय स्पिनर के खिलाफ अपने संघर्ष से बचने के लिए आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ सक्रिय रवैया अपनाना चाहते हैं। इस भारतीय ऑफ स्पिनर ने2023 में ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान को दो बार आउट किया था। स्मिथ इस दौरान अश्विन के खिलाफ सिर्फ 22 रन ही बना सके थे। स्मिथ ने कहा, ''मुझे ऑस्ट्रेलिया में ऑफ स्पिन के खिलाफ आउट होना पसंद नहीं है। वह हालांकि बहुत अच्छा गेंदबाज है और उसकी योजनाएं शानदार होती है। कुछ ऐसे मौके आए जब वह मुझ पर दबदबा बनाने में सफल रहा।''

स्मिथ ने कहा, '' एससीजी (सिडनी क्रिकेट मैदान) में मैं सक्रिय रवैया अपनाकर उस पर हावी होने में सफल रहा। ऐसे में मेरे लिए यह अहम है कि उसके खिलाफ सक्रिय बल्लेबाजी कर के उसे लय हासिल और उस तरह से गेंदबाजी नहीं करने दे जिस तरह से वह चाहता है।'' ऑस्ट्रेलिया में अश्विन का टेस्ट गेंदबाजी औसत 42.15 है जबकि उनका घरेलू औसत 21.57 है। स्मिथ को उम्मीद थी कि 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली पांच मैचों की श्रृंखला में वह 38 साल के गेंदबाज के खिलाफ शुरुआती बढ़त हासिल करने में सफल रहेंगे।

तमिलनाडु के इस खिलाड़ी ने हाल ही में कहा था कि उन्होंने स्मिथ के खिलाफ कुछ योजनाएं बनाई है। अश्विन ने 'चैनल सेवन' से कहा था, ''स्टीव स्मिथ स्पिन के खिलाफ एक खिलाड़ी के रूप में विशेष रूप से आकर्षक हैं। उनके पास एक अनूठी तकनीक है, यहां तक कि तेज गेंदबाजी को खेलने की भी।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन स्पिन के मामले में मुझे लगता है कि वह अच्छी रणनीति और अच्छी तैयारी के साथ आया था और हां, वह इसे किसी भी परिस्थिति में लागू करता था। और पिछले कुछ वर्षों में मैंने इसे समझने के तरीके और साधन खोज लिए हैं।''

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी स्मिथ ने कहा, '' अश्विन का मुकाबला करते समय आपको मानसिक चुनौती से निपटना होता है। श्रृंखला की शुरुआत में अगर कोई एक दबदबा बनाने में सफल रहा तो वह हावी हो सकता है।'' पैंतीस साल के स्मिथ 10,000 टेस्ट रन से 315 रन दूर है। वह भारत के खिलाफ श्रृंखला में अपनी पसंदीदा चौथे क्रम पर बल्लेबाजी में वापसी करेंगे। स्मिथ ने पिछले चार टेस्ट में पारी का आगाज किया था लेकिन वह इसमें सफल नहीं रहे।

संजू सैमसन ने मैच के दौरान लड़की को पहुंचाई चोट, फूट-फूटकर रोती दिखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ जोहान्सबर्ग के न्यू वांडरर्स भारतीय टीम की जबरदस्त बल्लेबाजी देखने को मिली। संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने मेजबान टीम के गेंदबाजों के धागे खोलकर रख दिए। भारत ने इन दोनों की शतकीय पारी के दम पर 1 विकेट पर 283 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जिसके बाद साउथ अफ्रीकी टीम 148 रन पर ही सिमट गई और 135 रन से मुकाबला गंवा बैठी। वहीं संजू सैमसन ने इससे पहले दो मुकाबलों में प्रदर्शन नहीं किया लेकिन इसमे मैच में उन्होंने 109 रन बनाए। वहीं इस दौरान उन्होंने एक छक्का लगाया जिससे मैच देखने आई लड़की को चोटिल हो गई।

दरअसल, संजू सैमसन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ धमाका कर दिया। पहले टी20 में शतक जमाने के बाद लगातार दो मैचों में 0 पर आउट होने के बाद आखिरी टी20 मैच में उन्होंने वापसी की और छक्के के साथ अपनी पचास रन पूरे किए। पचास रन पूरे करने के बाद उन्होंने एक और छक्का मारा लेकिन दुर्भाग्यवश वह गेंद दर्शकों के बीच बैठ मैच का मचा ले रही लड़की को जा लगी।

वहीं 10वें ओवर में संजी सैमसन का एक शॉट मैच देख रही लड़की को जा लगी। गेंदबाजों की पिटाई कर रहे बल्लेबाज ने 10वें ओवर की पहली गेंद पर अपनी हाफ सेंचुरी पूरी की। दूसरी गेंद मिडिल और लेग पर फुर थी और संजू ने इसे डीप मिड-विकेट के ऊपर से मारा। दर्शकों के बीच बैठी एक लड़की बॉल को नहीं देख रही थी और वह पहले सुरक्षा गार्ड को लगी और फिर उसके चेहरे पर जाकर लगी। उसे तुरंत बर्फ से इलाज दिया गया क्योंकि चोट के कारण उसकी आंखों में आंसू आ गए थे।

मौजूदा फॉर्म के आधार पर विश्व चैम्पियनशिप में डिंग के खिलाफ गुकेश जीत के दावेदार-कार्लसन

कोलकाता (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन का मानना है कि मौजूदा फॉर्म के आधार पर भारतीय स्टार डी गुकेश इस महीने के अंत में विश्व शतरंज चैंपियनशिप के मुकाबले में चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं। गुकेश 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक सिंगापुर में होने वाली विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा चैंपियन डिंग से भिड़ेंगे। इस साल की शुरुआत में टोरंटो में आयोजित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट को जीतने के बाद 18 साल के गुकेश ने फाइनल में जगह पक्की की थी।

कार्लसन ने यहां टाटा स्टील शतरंज इंडिया रैपिड टूर्नामेंट जीतने के बाद कहा, ''मैं उस मुकाबले के बारे में कुछ खास नहीं कहना चाहता। मौजूदा फॉर्म के आधार पर हालांकि गुकेश का पलड़ा थोड़ा भारी है।'' उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि शीर्ष स्तर पर शतरंज खेलने की क्षमता के आधार पर यह काफी हद तक बराबरी का मुकाबला होगा। डिंग अगर अपनी लय को हासिल करने में सफल रहे तो उसके पास भी जीतने का अच्छा मौका होगा।

मेगा ऑक्शन में उतरे हैं ये 6 धाकड़ तेज गेंदबाज, हर एक को मिलेंगे 15 करोड़ से ज्यादा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में होने वाला है, जिसका हर क्रिकेट फैन बेसब्री से इंतजार कर रहा है. नीलामी में बेहतरीन बल्लेबाज, तेजतर्रार विकेटकीपर्स, घातक स्पिनर्स और तूफानी तेज गेंदबाज हिस्सा लेने वाले हैं. इस आर्टिकल में हम आपको 6 ऐसे पेसर्स के बारे में बताने वाले हैं, जिन्हें नीलामी में बड़ी रकम मिलना तय है, क्योंकि ये सारे ही बड़े नाम हैं और अपनी काबिलियत को साबित कर चुके हैं. इस लिस्ट में सबसे पहला नाम ऑस्ट्रेलियाई पेसर मिचेल स्टार्क का आता है. मेगा ऑक्शन के लिए स्टार्क ने अपना नाम 2 करोड़ रुपये की बेस प्राइस पर रजिस्टर कराया है. स्टार्क आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी हैं. सीजन 2024 के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें रिकॉर्ड 24.75 करोड़ रुपये देकर अपने साथ जोड़ा था.

34 साल के स्टार्क ने केकेआर को विजेता बनाने में अहम रोल प्ले किया और 14 मैचों में 17 विकेट चटकाए. आईपीएल के 41 मैचों में उनके नाम पर कुल 51 विकेट दर्ज हैं. इस बार ऑक्शन में मिचेल की बोली 15 करोड़ के पार जाएगी.

लिस्ट में अगला नाम पंजाब किंग्स के एक और खिलाड़ी अर्शदीप सिंह का आता है. भारत को इस साल टी20 वर्ल्ड कप जीताने में अर्शदीप का अहम रोल था, लेकिन फिर भी प्रीति जिंटा की टीम ने उन्हें रिटेन नहीं किया. आईपीएल 2024 में भी तेज गेंदबाज ने कुल 19 शिकार किए थे.2019 से आईपीएल खेल रहे अर्शदीप सिंह का बेस प्राइस भी 2 करोड़ रुपये हैं और उनको भी ऑक्शन में मोटी रकम मिल सकती है.

लिस्ट में दूसरा नाम साउथ अफ्रीकी पेसर कगीसो रबाडा का आता है. रबाडा को टी20 क्रिकेट खेलना काफी पसंद है और उनका बेस प्राइस भी 2 करोड़ रुपये हैं. रबाडा 2017 से आईपीएल खेल रहे हैं.

पिछले साल वो पंजाब किंग्स से खेले थे, लेकिन इस बार टीम ने उन्हें रिटेन नहीं किया. रबाडा ने 80 आईपीएल मैचों में 22 से भी कम की औसत से कुल 117 विकेट लिए हैं.कगिसो पंजाब किंग्स से पहले दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी खेल चुके हैं.

भारतीय स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का नाम इस लिस्ट में होना लाजमी है. शमी ने 2 करोड़ की बेस प्राइज के साथ अपना नाम ड्राफ्ट किया है और वह मार्की प्लेयर हैं. गुजरात टायटंस ने उन्हें रिलीज कर दिया है.

मगर, शमी ने मैदान पर वापसी करते ही विकेटचटकाऊ गेंदबाजी शुरू कर दी है. नतीजन, अब आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में बड़ी रकम मिलना तय है. शमी 77 आईपीएल मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 30.41 के औसत से 79 विकेट लिए हैं.

आईपीएल 2024 में हर्षल पटेल पर्पल कैप जीतने में सफल रहे थे. पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए टूर्नामेंट के 14 मैचों में उन्होंने 24 विकेट हासिल किए थे, लेकिन फिर भी फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन नहीं किया.

पंजाब ने पटेल को लगभग 12 करोड़ में अपने साथ जोड़ा था. इस बार नीलामी में उनको 15 करोड़ से ज्यादा की रकम मिल सकती है. हर्षल डेथ ओवर्स में कमाल की गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं और निचले क्रम में तेजी से बल्ला भी चला सकते हैं. हरियाणा के लिए इस सीजन घरेलू क्रिकेट में भी उनका शानदार प्रदर्शन देखने को मिला था।

भारतीय बॉक्सर ने अमेरिका की धरती पर उड़ाया गर्दा, दुश्मन को एकतरफा मैच में दी पटखनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेटफिलिक्स इवेंट में जेक पॉल ने दिग्गज बॉक्सर माइक टायसन के खिलाफ बॉक्सिंग मैच लड़ा। इस इवेंट का आयोजन एर्लिंगटन, टेक्सस के स्टेडियम में हुआ। इसी इवेंट में भारतीय बॉक्सर नीरज गोयत का मैच भी हुआ। इस मुकाबले में उनके प्रतिद्वंदी विंधरसन न्यूनेस थे और ये मैच सुपर मिडिलवेट डिवीजन में हुआ। बता दें कि, नीरज रैंकिंग में जगह बनाने वाले पहले भारतीय बॉक्सर हैं। वहीं उनके प्रतिद्वंदी विंधरसन ने बॉक्सर के रुप में अपना प्रोफेशनल डेब्यू किया था। न्यूनेस को डेब्यू का नाथन बार्टलिंग के खिलाफ हार मिली थी।

अगर गोयत के विंधरसन न्यूनेस के खिलाफ हुए बॉक्सिंग मैच की बात करें तो ये एकतरपा मुकाबला साबित हुआ। इस मैच में भारतीय बॉक्सर ने न्यूनेस पर अपना दबदबा बनाए रखा। नीरज गोयत ने इस नॉन टाइटल मैच के छठे राउंड में विंधरसन को 60-54 से हराया। वहीं इस मुकाबले में तीनों जज ने मुकाबले का नतीजा गोयत के पक्ष में दिया। देखा जाए तो नीरज की ये बड़ी जीत है और उन्होंने इस जीत के लिए अमेरिका की धरती पर भारत का परचम लहराया है।

बता दें कि, सुपरस्टार लोगन पॉल के भाई जेक पॉल ने बॉक्सिंग मैच में माइक टायसन का सामना किया और जेक ने ये मुकाबला जीतते हुए सभी को हैरान कर दिया। भारतीय बॉक्सर नीरज गोयत ने इस मुकाबले को लेकर पॉल के साथ बड़ी शर्त लगाई थी। नीरज का मानना था कि टायसन बॉक्सिंग मैच में जेक को हरा देंगे। यही कारण है कि उन्होंने माइक की जीत पर 1 मिलियन डॉलर यानी की करीब 8 करोड़ 40 लाख रुपये का अपना घर दांव पर लगा दिया था। जिसके बाद माइक टायसन हार गए हैं। वहीं अब देखा जाएगा कि नीरज शर्त के मुताबिक अपना घर जेक पॉल के नाम करते हैं या नहीं।

लैब टेक्नीशियन के साथ 85 हजार की डिजिटल ठगी

सिम बदलने के लिए आया कॉल, एक दबाते ही अकाउंट से रुपए गायब

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले के अमरपाटन सिविल अस्पताल के लैब टेक्नीशियन के साथ 85 हजार रुपए की डिजिटल ठगी का मामला सामने आया हैं। एक एप के जरिए पूरी ठगी को अंजाम दिया गया। ठगी के शिकार लैब टेक्नीशियन ने अमरपाटन थाने में घटना की शिकायत की हैं।

जानकारी के मुताबिक अमरपाटन सिविल अस्पताल में पदस्थ लैब टेक्नीशियन अजय सुमन के साथ पीएम आवास निधि नाम के एप के माध्यम से ठगी की गई। ठगी के पहले उनका वॉट्सऐप नंबर हैक कर लिया गया था।

पहले वॉट्सऐप हैक किया फिर नंबर बंद: लैब टेक्नीशियन अजय सुमन ने बताया कि लगभग एक महीने पहले उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म में पीएम आवास निधि नाम का एप अपने मोबाइल में डाउनलोड किया था। उसी समय उनका वॉट्सऐप नंबर हैक कर लिया गया और सिम को ई सिम में कन्वर्ट कर दिया गया। अजय की सिम जब बंद हो गई, तब उन्होंने कंपनी में संपर्क किया। नई सिम चालू करने के लिए एक दिन उनके पास फोन आया और उनसे सिम संबंध में जानकारी ली गई। बाद में कॉल करने वाले ने अजय को मोबाइल में 1 नंबर दबाने के लिए बोला। एक नंबर दबाते ही अकाउंट से पैसे कटने के मैसेज आने लगे।

2 किश्तों में अकाउंट से निकली रकम: अजय के बैंक अकाउंट से 2 किश्तों में 85 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए। पहली बार 50 हजार फिर दूसरी बार 35 हजार रुपए डिजिटल ठगों ने निकाल लिए। इस पूरे घटनाक्रम के बाद अजय सुमन ने अमरपाटन थाना पहुंच ठगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें, निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं। राज्यमंत्री बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

हार्वेस्टर से पहले कटाई को लेकर दोनों पक्षों में विवाद, तीन गंभीर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र में अपराध और मारपीट की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। केवट परिवार के युवक की चाकू मारकर निर्मम हत्या के बाद एक बार फिर जानलेवा मारपीट का मामला सामने आया है। बीती शाम खेत की कटाई को लेकर ग्राम हरदी कपसा में शुक्ला परिवार के लोगों ने तीन लोगों पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे घायलों को गंभीर चोटें आई हैं। घायल आनंद सिंह बघेल ने बताया कि हार्वेस्टर चालक से वह खेत की कटाई को लेकर बात कर रहा था इसी दौरान गांव के ही शुक्ला परिवार के लोग आए और गाली गलौच करना शुरू कर दिए। हार्वेस्टर से खेत में पहले कटाई को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। जिसके बाद शुक्ला परिवार ने आनंद सिंह, शिवम सिंह सहित उसके भाई के ऊपर हमला कर दिया। मारपीट में शिवांग सिंह बघेल गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जिन्हे संजय गांधी अस्पताल रीवा में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंची डायल 100 पुलिस ने विवाद को शांत कराया।

रीवा जिले के सोहागी थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद में युवक की हत्या

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सोहागी थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद में हत्या का मामला सामने आया है। परिजनों के मुताबिक आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला किया जिसमें उपचार के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक का नाम सतीश तिवारी बताया जा रहा है। मृतक सूरत में रहकर काम करता था, वह अपने घर आया हुआ था। इस दौरान आरोपियों के साथ उसके परिवार का विवाद हो गया, जब सतीश बीच बचाव करने गया तो आरोपियों ने उसके सिर पर हमला कर दिया। जिसकी अस्पताल में मौत हो गई। जबकि उसके पिता राम सूरत तिवारी और भाई रोहित तिवारी सहित कई अन्य लोग घायल हुए हैं। परिजनों ने बताया कि आरोपी शिव बाबू गुप्ता के परिवार के साथ काफी समय से जमीनी विवाद चल रहा था घटना के दिन विवादित जमीन पर कुछ सामान रखने को लेकर विवाद शुरू हुआ। घटना की शिकायत थाने में दर्ज कराई गई है।

यातायात पुलिस की लचर व्यवस्था का शिकार हो रहे ट्रक चालक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में प्रशासन और यातायात पुलिस की लचर व्यवस्था का फिर एक मामला सामने आया है, जिसका शिकार रविवार सुबह पांच ट्रक चालक हुए। शहर के एंट्री पॉइंट पर ना तो कोई एंट्री का बोर्ड लगा हुआ है और ना ही कोई पुलिस कर्मी तैनात है। यहां पर सिर्फ नगर निगम के ठेकेदार का कर्मचारी तैनात मिलता है, जो नियम विरुद्ध तरीके से शहर में प्रवेश करने वाले हर ट्रक से 100 रुपये वसूलता है। ऐसे में सुबह छह बजे से पहले ट्रक चालक 100 रुपये देकर शहर के अंदर माल उतारने के लिए उतर गए। लेकिन सुबह गस्त पर निकली यातायात प्रभारी ने बड़ी पुल के पास उन्हें पकड़ लिया और पुलिस कंट्रोल रूम में में खड़ा करवा दिया। उन पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जबकि ट्रक चालक रविंद्र चौरसिया और धनराज सहित अन्य ने बताया कि वह शहर के अंदर सुबह 6 बजे से पहले प्रवेश कर गए थे और उन्हें बड़ी पुल के समीप गोदाम में माल उतारना था। वहीं थाना प्रभारी का कहना है कि वो प्रभात गस्त पर थी इसी दौरान उन्हें ट्रक नो एंट्री पर आते नजर आए, ट्रकों को लाकर पुलिस कंट्रोल रूम में खड़ा कर दिया जिनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, लेकिन नो एंट्री बोर्ड लगे होने और पुलिस कर्मियों के तैनाती उन्होंने भी अनभिज्ञता व्यक्त की।

अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। [21] आरोपियों से 32 बोर की पिस्टल, एक कट्टा और जिंदा कारतूस जप्त किया गया है। सिविल लाइन पुलिस के अनुसार आरोपी जिले में हथियारों की सप्लाई करते थे। इनमें से एक आरोपी हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहा था। और उस पर तीन हजार रुपये का इनाम भी घोषित था। पुलिस को सूचना मिली कि कलेक्टरेट के पास अवैध हथियारों के सप्लायर खड़े हैं सूचना पर सिविल लाइन पुलिस ने घेराबंदी कर अंशु उर्फ प्रखर शुक्ला, निवासी चाणक्य नगर और आकाश गौतम निवासी इंदिरानगर को पकड़ा है दोनों को थाने लाकर पूछताछ की गई तो अवैध हथियारों के सप्लाई का खुलासा हुआ। पकड़े गए आरोपी बाहर से हथियार लाकर रीवा में बिक्री करते थे। आरोपियों ने करहिया के समीप एक पेड़ के नीचे हथियार छिपा कर रखे थे।

शिक्षक का शराब के नशे में वीडियो हुआ वायरल, पहुंची जांच टीम

रीवा में फिर एक शिक्षक का शराब के नशे में वीडियो वायरल हुआ है। [22] नया मामला शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक दो अंतर्गत प्राथमिक पाठशाला पोखरी टोला का सामने आया है। यहां पदस्थ शिक्षिका कृष्णा दुबे ने फोन पर संकुल प्राचार्य को रोते हुए शिक्षक रमाकांत वर्मा सहायक शिक्षक की करतूत बताई थी। उन्होंने बताया था कि शिक्षक शराब पीकर आते हैं और विद्यालय में उत्पाद मचाते हैं इस कारण ज्यादातर छात्र स्कूल से भाग जाते हैं। शिक्षिका की शिकायत पर संकुल के प्रभारी प्राचार्य जब टीम के साथ स्कूल जांच करने पहुंचे तो शिक्षक रमाकांत वर्मा नशे की हालत में मिले, वो कक्षा में छात्रों के सामने ही नशे में कुर्सी पर सोते हुए मिले। उन्हें जांच टीम के सदस्यों ने उठाने की कोशिश की लेकिन वह पहले तो नहीं जागे फिर कई बार आवाज देने पर उठे। शिक्षक सीधे खड़े नहीं हो पा रहे थे। शिक्षक के बारे में छात्रों से भी जांच टीम ने पूछा तो बच्चों ने बताया कि कभी पढ़ाते नहीं है स्कूल शराब के नशे में ही आते हैं। जांच टीम द्वारा कथन लेकर कार्यवाही के लिए प्रतिवेदन जिला शिक्षा अधिकारी के पास भेजा जाएगा।

रीवा-प्रयागराज हाईवे पर सोहागी घाटी में फिर हादसा, कार सवार चार युवक घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा-प्रयागराज हाईवे पर स्थित सोहागी घाटी में एक बार फिर बीती रात बड़ा हादसा हो गया। कार और ट्रक के बीच हुई टक्कर में कार सवार चार युवक घायल हो गए। घटना की सूचना पर सुहागी थाना प्रभारी पवन शुक्ला स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद ट्रक सहित चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रक और चालक की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज और लखनऊ निवासी कार सवार युवक रीवा जिले में पर्यटक स्थल पर पार्टी करने आए हुए थे। देर रात चारों युवक कार से वापस लौट रहे थे तभी सोहागी घाटी में कार के आगे चल रहे ट्रक में कार पीछे से जा घुसी। कार तेज रफ्तार में थी, गनीमत रही की युवक सीट बेल्ट लगाए हुए था और समय पर दोनों एयरबैग खुल गए, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

सिंहपुर टोल प्लाजा में पकड़े गए मवेशी तस्कर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले की सिंहपुर थाना पुलिस ने मवेशियों से लोड वाहन जब्त कर 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। निर्दयतापूर्वक मिनी ट्रक में लोड कर ये मवेशी यूपी ले जाए जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, सिंहपुर थाना पुलिस ने सिंहपुर टोल प्लाजा के पास घेराबंदी कर क्रूरतापूर्वक और अवैध रूप से मवेशियों का परिवहन कर रहा मिनी ट्रक पकड़ा। वाहन की जांच के दौरान उसमे 24 नग भैंस और 9 नग पड़वा समेत 33 मवेशी लोड पाए गए। क्रूरतापूर्वक मिनी ट्रक में ठूस कर लोड किए जाने के कारण एक मवेशी का पैर भी खराब हो गया था। इस मामले में मिनी ट्रक ड्राइवर कमलेश रैदास पिता मनका रैदास (42) निवासी पनगरा थाना नरैनी जिला बांदा यूपी समेत नरेश कुमार प्रजापति पिता देवीदीन प्रजापति (36) निवासी बांधा पुरवा थाना कोतवाली नगर बांदा यूपी, शाहरुख खान पिता सुलेमान खान (22) निवासी टीकर थाना बिजयराघवगढ जिला कटनी मप्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सिंहपुर थाना प्रभारी अजय अहिरवार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पूछताछ में पता चला है कि ये मवेशी बिना किसी वैधानिक दस्तावेज के यूपी के कालिंजर तरफ ले जाए जा रहे थे।

एपीएसयू के एमबीए विभाग के 17वें पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल हुये उपमुख्यमंत्री

समर्पण व कठिन परिश्रम से ही मिलती है सफलता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के एमबीए विभाग का 17वां पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एमबीए विभाग के विद्यार्थियों को स्वर्णपदक प्रदान किए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत तेजी से विश्वगुरू और आर्थिक महाशक्ति बनने के मार्ग पर अग्रसर है। रीवा भी हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है। विकास के महायज्ञ में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका युवाओं की होती है। प्रतिभाशाली युवा ही देश को विश्वगुरू और आर्थिक शक्ति बनाएंगे। हमें आप जैसे युवाओं की प्रतिभा पर पूरा भरोसा है। आप सब अपने प्रतिभा से अपने परिवार, समाज और रीवा का नाम रोशन करेंगे। एमबीए विभाग के विद्यार्थी प्रबंधन के साथ संस्कृति, खेल, कला तथा अन्य कई क्षेत्रों मंत अपनी शानदार प्रतिभा प्रदर्शित कर रहे हैं। आप सब नौकरी मांगने वाले नहीं नौकरी देने वाले बनें।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा शिक्षा के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। यहाँ के अधोसंरचना विकास और आर्थिक विकास का प्रभाव हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। एमबीए विभाग के शिक्षा प्राप्त करने वाले कई विद्यार्थी अनेक संस्थानों और कंपनियों में प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सफलता प्राप्त करने के लिए समर्पण के साथ कठिन परिश्रम आवश्यक होता है। आप सब नए स्टार्टअप आरंभ करें। आज रीवा और पूरे देश को प्रतिभाशाली युवाओं की आवश्यकता है। आप सबके लिए अनेक अवसर बाहे पसारे इंतजार कर रहे हैं। आत्मविश्वास और प्रतिभा से भरे हुए आप सब रीवा को सर्वश्रेष्ठ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अवश्य निभाएंगे। एमबीए विभाग ने डॉ अतुल पाण्डेय विभागाध्यक्ष के मार्गदर्शन में जिन प्रतिभाओं को तराशा है उनकी सफलता हम सबका गौरव बढ़ाएगी।

समारोह में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ राजकुमार आचार्य ने कहा कि स्थाई विकास के लिए प्रबंधन का श्रेष्ठ होना आवश्यक है। एमबीए विभाग पिछले 17 वर्षों से हमें श्रेष्ठ प्रबंधन करने वाले दे रहा है। प्रोफेसर व्हीसी सिन्हा ने प्रबंधन के जिस संस्थान की नीव रखी थी वह प्रतिभा को निखारने का केन्द्र बन गया है। समारोह में प्रोफेसर एनपी पाठक तथा विभागाध्यक्ष डॉ अतुल पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समारोह में एलुमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील सिंह, राजेश पाण्डेय, परमजीत सिंह डंग, प्राध्यापकगण, गणमान्य नागरिक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वाराणसी एवं अयोध्या में तीर्थ दर्शन के लिए आवेदन 19 नवम्बर तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनांतर्गत मध्यप्रदेश शासन धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के निर्देशानुसार वरिष्ठ नागरिक जो 60 वर्ष या अधिक आयु के व्यक्ति जो आयकर दाता नहीं है, को प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न नाम निर्दिष्ट स्थलों में से एक का युग्म तीर्थ की यात्रा सुलभ कराने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना संचालित है। अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि मैहर जिले के निवासियों के लिए वाराणसी (काशी) एवं अयोध्या की तीर्थ यात्रा हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति वेरिफिक्रेषन, स्वीकृति की अंतिम तिथि 30 नवम्बर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने जिले कुल सचिव शासकीय महात्मा गांधी ग्रामोदय चित्रकूट, डीन शा0 चिकित्सा महाविद्यालय सतना, कुल सचिव अशासकीय एकेएस यूनिर्वसिटी, प्राचार्य समस्त सर्वशासकीय, अशासकीय महाविद्यालय/कालेज सतना को निर्देश जारी किये गये हैं कि आयुक्त अनुसूचित जाति विकास भोपाल के निर्देशानुसार अनुसूचित जाति पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता योजनान्तर्गत शैक्षणिक वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 एवं पूर्व वर्षों के लंबित समस्त आनलाइन आवेदनों का शत-प्रतिशत वेरिफिक्रेशन/स्वीकृति की अंतिम तिथि अब 30 नवम्बर 2024 निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि में कार्यवाही पूर्ण न होने पर जिन संस्थाओं के आवेदन सत्यापन एवं स्वीकृति हेतु आवेदन लंबित रहेंगे। उन संस्थाओं के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी। इसके लिए संबंधित संस्था प्रमुख स्वतः जिम्मेदार होंगे।

विद्युत संबंधी समस्याओं का तत्परता से निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विद्युत मण्डल के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विद्युत संबंधी समस्याओं का तत्परता से निराकरण करें। ट्रांसफार्मर जल व खराब होने की शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही करते हुए इन्हे बदलने की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं तथा केबिल खराब होने पर उन्हे बदले जाने की कार्यवाही करें। शुक्ल ने राजनिवास सर्किट हाउस रीवा में अधिकारियों को फीडर सेपरेशन के कार्य को गति देने के निर्देश दिए तथा कहा कि मैनपावर बढ़ाएं तभी फीडर विभक्तिकरण का कार्य समय में पूर्ण हो सकेगा। उन्होंने रीवा विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों तथा जिले की विद्युत संबंधी शिकायतों को निराकृत करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। इस दौरान अधीक्षण अभियंता बृजेश कुमार शुक्ला ने उप मुख्यमंत्री जी को आश्वस्त किया कि तत्परतापूर्वक विद्युत संबंधी समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा। उन्होंने जिले में विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान फीडर सेपरेशन से जुड़े अधिकारी तथा विद्युत विभाग के अधिकारी व संलग्न एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जनजातीय समुदाय को योजनाओं का लाभ दिलाने 26 तक लगेंगे कैम्प

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत सरकार एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार जनजातीय गौरव दिवस के उपलब्ध में धरती आभा जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान जनजातीय समुदाय को व्यक्तिगत हितलाभ दिलाने के लिए 15 से 26 नवम्बर तक कैम्प आयोजित किये जायेंगे।

मैहर कलेक्टर रानी बाटड द्वारा जारी आदेशानुसार 18 नवम्बर को वृद्धावस्था और विकलांग पेंशन सहायता कैम्प, राशन कार्ड सुधार कैम्प, कौशल विकास प्रशिक्षण, 19 नवम्बर को महिला एवं बाल विकास कैम्प, समग्र और आधार सुधार कैम्प, वित्तीय साक्षरता कार्यशाला, 20 नवम्बर को शिक्षा और छात्रवृत्ति शिविर, उज्जवला योजना शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, 21 नवम्बर को आधार एवं आयुष्मान कार्ड कैम्प, आधार से बैंक खाता लिंकिंग, ग्राम सभा एवं समुदायिक बैठकें, 22 नवम्बर को समग्र और आयुष्मान कार्ड का संयुक्त कैम्प, बैंकिंग सेवा केन्द्र, स्वच्छता जागरूकता कार्यक्र म, 23 नवम्बर को राशन कार्ड और वितरण सुधार, महिला स्व-सहायता समूह के लिए बैठक, कौशल विकास कार्यक्र म, 24 नवम्बर को वृद्धावस्था एवं विकलांग पेंशन योजना, महिला एवं बाल विकास कार्यक्र म, स्थानीय शिल्प और हैण्डलूम प्रदर्शनी, 25 नवम्बर को शिक्षा जागरूकता अभियान, आधार एवं समग्र कार्ड की संयुक्त सेवा, सामुदायिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर तथा 26 नवम्बर को विशेष समापन कैम्प प्रशंसा एवं सम्मान समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्र मों का आयोजन जनजातीय समुदाय के लिए किया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।